सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 12 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 317, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

ब्रिटेन में टोरी नेता की सलाह से राहुल गांधी क्या सीख सकते हैं ?

डीके सिंह

ब्रिटिश कंजर्वेटिव पार्टी के नेता अब जब ऋषि सुनक की जगह एक नए पार्टी नेता का चुनाव करने जा रहे हैं, तो उन्हें विपक्ष के पूर्व नेता विलियम हेग से एक सलाह मिली है। हेग ने 1997 से 2001 तक पार्टी का नेतृत्व किया था। उनकी कुछ सलाह जो भारत के प्रमुख विपक्षी नेता राहुल गांधी के लिए प्रासंगिक लगती है। हेग ने 1997 के आम चुनाव में करारी हार के बाद कंजर्वेटिव पार्टी की बागडोर संभाली थी, लेकिन चार साल बाद अगले चुनाव में वे इसे एक और पराजय की ओर ले गए। विपक्षी पार्टी को क्या नहीं करना चाहिए, इस पर कोई भी उन पर भरोसा कर सकता है। तीन सितंबर को द टाइम्स में छपे "Tories will find great dangers in opposition" शीर्षक वाले एक लेख में, हेग ने कहा कि अगले टोरी नेता को कई तरह के प्रलोभनों से बचना चाहिए।

उन्होंने लिखा, 'नीतिगत प्रतिबद्धताओं को लेकर निर्णायक होने का प्रलोभन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा करना लापरवाही या जल्दबाज़ी होगी। अगला चुनाव 4-5 साल दूर है। तब तक अर्थव्यवस्था, यूरोप और वास्तव में दुनिया बदल चुकी होगी।' एक विपक्षी दल जो भविष्य में सत्ता में आने की उम्मीद करता है, उसे वादें करने से पहले सावधान रहना चाहिए। अगर कांग्रेस 2024 में सत्ता में आती और अपने घोषणापत्र को लागू करती, तो 'बिजनेस टुडे' की रिपोर्ट में अर्थशास्त्रियों द्वारा अनुमानित कुल लागत 22 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष होती - जो 2024-2025 में 25.83 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित शुद्ध कर प्राप्तियों का लगभग 85 प्रतिशत है।

कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र में हार की भावना साफ झलक रही थी। ऐसे समय में जब केन्द्र में गठबंधन की सरकार है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी की लोकप्रियता रेटिंग के बीच अंतर कम हो रहा है, कांग्रेस को जल्दबाजी में नीतिगत घोषणाएं न करने के बारे में हेग की बात सुननी चाहिए। उदाहरण के लिए कांग्रेस जो शुरू में माल और सेवा कर (जीएसटी) के दोषपूर्ण रोलआउट की आलोचना कर रही थी, अब जीएसटी पर संदेह करने लगी है और जीएसटी 2.0 तथा एक के बाद एक छूट का वादा कर रही है।

कांग्रेस और उसके सहयोगी जाति जनगणना को लेकर बहुत उत्साहित हैं। इसने निश्चित रूप से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को बैकफुट पर ला दिया है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को इसका समर्थन करने आगे आना पड़ा है, लेकिन विपक्ष को जाति जनगणना को सभी सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के लिए रामबाण की तरह पेश करने से बचना चाहिए। अब तक, जैसा कि हम कांग्रेस की योजना के बारे में जानते हैं, इसमें जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण, 50 प्रतिशत की सीमा को पार करना, सत्ता के उच्चतम स्तरों पर वंचित समुदायों को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना शामिल है- जैसे कि भारत सरकार के सचिवों के रूप में। हमें इसके बारे में और कुछ नहीं पता।

क्या यह काफी होगा, यह देखते हुए कि कांग्रेस जाति जनगणना के माध्यम से अन्य पिछड़े वर्गों को चांद देने का वादा कर रही है? क्या कांग्रेस सत्ता में आने पर हरेक जाति और उपजाति के लिए संसाधन आवंटित करेगी? क्या वह निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करेगी? और क्या? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी राजनीति का मुकाबला करने की अपनी जल्दबाजी या हताशा में, विपक्ष मंडल-II को लागू करने के अनपेक्षित परिणामों से बेखबर दिखता है। एक पार्टी जो सत्ता में लौटने और लंबे समय तक देश पर शासन करने की आकांक्षा रखती है, उसे लोगों के सामने शासन का वैकल्पिक एजेंडा पेश करते हुए ऐसे परिणामों से निपटने की योजना बनानी होगी।

भारत में तीसरे विकल्प के संदर्भ में कोई आम आदमी पार्टी (आप) के बारे में सोच सकता है। हालांकि, यह ज़रूरी नहीं है कि यह दक्षिणपंथी श्रेणी में फिट हो - कम से कम इसकी घोषित नीतियों के संदर्भ में। पार्टी ने पहले ही 'फ्रीबीज़' वाली राजनीति को पूरी तरह से अपना लिया है। मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी उस चीज़ को बड़े चाव से अपनाया है जिसे वह 'रेवड़ी' कहकर निंदा करते थे। राहुल गांधी को यहां हेग की बात पर ध्यान देना चाहिए: यह सरकार की एक सक्षम पार्टी के पुनर्निर्माण का तरीका नहीं है।

पूर्व कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ने कुछ अन्य प्रलोभनों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऋषि सुनक के उत्तराधिकारी को इसकी उपेक्षा करनी चाहिए, लेकिन वह राहुल गांधी के लिए बहुत प्रासंगिक नहीं हैं। सबसे पहले, गांधी को लोकसभा के नतीजों को अपनी राजनीति के लिए एक ज़बरदस्त समर्थन नहीं मानना चाहिए। कांग्रेस ने कुछ राज्यों में कुछ ज़मीन हासिल की है, लेकिन इसके लिए उसे भाजपा की राजनीति और शासन को भी धन्यवाद देना चाहिए। राहुल गांधी की दोनों यात्राओं ने चुनावी लाभ दिया और इसलिए उनकी सफलता से उनके पास खुश होने के कारण भी हैं, लेकिन अभी भी उन्हें बहुत कुछ करना है। जिन राज्यों से यात्राएं गुज़रीं और जहां कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया, उनमें महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार शामिल हैं, लेकिन ये राज्य ऐसे भी थे जहां कई अन्य कारक भी काम कर रहे थे, जिसमें विपक्ष के मजबूत गठबंधन से लेकर सत्तारूढ़ पार्टी की गठबंधन संबंधी परेशानियां, भाजपा में अंदरूनी कलह और 'दलबदलू उम्मीदवारों' के लिए ज़मीन पर आरएसएस से समर्थन की कमी शामिल थी।

चौथा प्रलोभन जिससे गांधी को बचने की ज़रूरत है, वह है परिणामों को अपनी सोशल इंजीनियरिंग राजनीति की सफलता के रूप में देखना, विशेष रूप से जाति जनगणना के लिए जोर देना। यहां तक कि जाति जनगणना के एक बड़े समर्थक योगेंद्र यादव ने भी माना है कि 2024 के चुनाव में 'राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख सामाजिक समूहों की मतदान प्राथमिकताओं में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया। दूसरी ओर, भाजपा ने उच्च जाति और मध्यम वर्ग के हिंदुओं और अत्यंत पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के बीच अपने मूल वोट को बनाए रखा और आदिवासियों के बीच अपनी बढ़त को और बढ़ाया।'

यह इस तथ्य से भी मान्य है कि पिछले तीन लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का वोट शेयर लगभग स्थिर रहा है। विपक्षी खेमे में जश्न मनाना और पीठ थपथपाना इस वृद्धि के अनुपात से कहीं ज़्यादा है। पांचवां प्रलोभन जिसमें गांधी को नहीं फंसना चाहिए, वह है इंडिया ब्लॉक भागीदारों को स्थायी मित्र मानना। तथ्य यह है कि उनमें से अधिकांश कांग्रेस की कीमत पर उभरे और विकसित हुए हैं। वो राहुल गांधी के दोस्त तभी तक हैं जब तक भाजपा एक बड़ा खतरा बनी हुई है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

संजौली मस्जिद के विरोध में बेकाबू हुई भीड़, बवाल

तोड़ डाले पुलिस के बैरिकेड,लाठीचार्ज,वॉटर कैनन का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर विवाद और ज्यादा गहरा गया है। प्रदर्शन कर रहे हिंदू संगठनों ने अब पुलिस बैरिकेड तोड़ डाले हैं, वे आगे की तरफ बढ़ चुके हैं। मस्जिद से कुछ दूर ही अब विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। असल में विरोध कर रही भीड़ मस्जिद के पास जाना चाहती है, वहां प्रदर्शन करना चाहती है, लेकिन पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी।

दावा तो हुआ था कि कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन इस समय भीड़ पुलिस पर ही भारी पड़ती दिख रही है। जो वीडियो सामने आ रहे हैं उसमें भीड़ ने कई पुलिस बैरिकेड तोड़ डाले हैं, उनकी तरफ से पुलिस को ही पीछे धकेलने का काम हुआ है। बेकाबू हुई भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को भी बल प्रयोग करना पड़ा है। एक तरफ लाठीचार्ज के जरिए पलटवार हुआ है, दूसरी तरफ वॉटर कैनन के जरिए भी भीड़ को तितर-बितर करने की कवायद दिखी है।

हाईकोर्ट ने 4 आतंकियों की फांसी को उम्रकैद में बदला

मोदी की सभा में किए थे ब्लास्ट,पटना सिविल कोर्ट ने दी थी फांसी की सजा

पटना (एजेंसी)। पटना के गांधी मैदान में 27 अक्टूबर 2013 को नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली में हुए सीरियल ब्लास्ट में पटना हाईकोर्ट ने 4 आतंकियों की फांसी को उम्रकैद में बदला है। सिविल कोर्ट ने सभी को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने बाकी 2 दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। ब्लास्ट में निचली अदालत ने 4 को फांसी और 2 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों के वकील इमरान घानी ने बताया कि अपील पर सुनवाई करते हुए 4 दोषियों को आजीवन कारावास (30 साल) की सजा सुनाई है, जबकि 2 दोषियों के लिए निचली अदालत के फैसले को सुरक्षित रखा है। यह फैसला जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने दिया है। नुमान अंसारी, मोहम्मद मजीबुल्ला, हैदर अली, इम्तियाज आलम को निचली अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी, जिसे अब हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया है। वहीं, उमैर सिद्दीकी और अजरहुद्दीन कुरैशी के लिए निचली अदालत का जो आजीवन कारावास का फैसला है, उसे यथावत रखा है। बचाव पक्ष के वकील इमारन घानी ने बताया कि इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। 27 अक्टूबर 2013 को पटना में भाजपा की हुंकार रैली चल रही थी। गांधी मैदान भीड़ से खचाखच भरा था।

न बूथ बदलें ना रैलियों पर लगाई जाए रोक

जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए आयोग की नई गाइडलाइंस

कार्यकर्ताओं को बिना वजह परेशान न करने के भी निर्देश

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों से कहा है कि राजनीतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बिना वजह परेशान न किया जाए। सुरक्षा के नाम पर पोलिंग बूथ को न तो बदला जाए और न ही किसी दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। इसके अलावा आखिरी समय पर रैलियों को रद्द करने पर भी रोक लगा दी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू ने पिछले महीने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से साफ कहा था कि किसी भी तरह का पक्षपात नहीं चलेगा।

म.प्र. में सोयाबीन की खरीदी समर्थन मूल्य पर होगी

राज्य सरकार के प्रस्ताव को केंद्र की मंजूरी; किसान 20 दिन से कर रहे थे आंदोलन

भोपाल (नप्र)। सोयाबीन की खरीदी एमएसपी पर नहीं होने के विरोध में अशोकनगर के किसानों ने मंगलवार को ट्रैक्टर रैली निकाली थी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने राज्य सरकार के एमएसपी वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मध्यप्रदेश में सोयाबीन की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। केंद्र सरकार ने एमपी की डॉ. मोहन यादव सरकार के 4892 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार ने ये प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट बैठक में पास होने के बाद केंद्र को भेजा था। बता दें, किसान सोयाबीन की एमएसपी 6 हजार रुपए करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कांग्रेस ने 20 सितंबर को एमपी के सभी जिलों में किसान न्याय यात्रा और ट्रैक्टर रैली निकालने का ऐलान किया है।

शिवराज ने कहा- किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, कृषि और किसान कल्याण पीएम मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारे लिए किसानों की सेवा करना भगवान से प्रार्थना करने जैसा है। पिछले कुछ दिनों से एमपी के किसान परेशान थे, क्योंकि सोयाबीन एमएसपी से कम पर बिक रहा था। सबसे पहले हमने महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों को एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने की अनुमति दी। कल रात हमें एमपी सरकार से एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने का प्रस्ताव मिला। हमने उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सोयाबीन एमएसपी पर खरीदा जाएगा। उन्हें उनकी मेहनत का वाजिब दाम मिलेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को मंदसौर के साठखेड़ा में किसान सम्मेलन किया था। उन्होंने एमएसपी लागू नहीं करने के विरोध में सोयाबीन के पौधों की माला पहनी थी।

20 दिनों से आंदोलित थे किसान, 24 घंटे में हो गया फैसला- एमपी के किसान सोयाबीन के दाम 6 हजार रुपए कराने और एमएसपी पर खरीदी की मांग को लेकर बीते 20 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। कई संगठन और राजनीतिक दल भी इस आंदोलन को समर्थन दे रहे हैं।

म.प्र. की 60 सड़कों को केन्द्र से मिली मंजूरी

ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज ने किए स्वीकृत 152 करोड़ रुपए

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और केरल की सड़कों को मंजूरी दी है। बुधवार को दिल्ली में केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की बैठक में तीन राज्यों की सड़कों को स्वीकृति दी गई है। 113.58 करोड़ की लागत से मध्यप्रदेश में 152.44

कि.मी की 60 सड़कें बनेंगी। वहीं महाराष्ट्र में 655.66 करोड़ की लागत से 745.286 कि.मी. की 117 सड़कें और केरल में 55.28 करोड़ की लागत से 11 पुलों को स्वीकृति दी गई है।

मप्र में यहां बनेंगी सड़कें

पीएम जनमन योजना के तहत मध्यप्रदेश में 113.58 करोड़ रूपए की लागत से 152.44 किलोमीटर की 60 सड़कों को स्वीकृति दी गई है। मध्यप्रदेश में अनुपपुर जिले में 10 अशोक नगर जिले में पांच, बालाघाट में चार, छिंदवाड़ा जिले में आठ और गुना जिले की 4 सड़कों को स्वीकृति दी गई है। इसके अलावा ग्वालियर, जबलपुर, कटनी, मुरैना, श्योपुर जिले में भी एक-एक सड़क को स्वीकृति दी गई है। शिवपुरी में सात , सीधी में पांच, उमरिया और विदिशा जिले की छह-छह सड़कें स्वीकृत की गई हैं।

महाराष्ट्र, केरल में भी सड़कों को दी मंजूरी- महाराष्ट्र में पीएम ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 745.286 कि.मी. सड़कें बनाई जाएंगी। महाराष्ट्र में 655.66 करोड़ की लागत से 117 सड़कों के निर्माण कार्य को मंजूरी दी। वहीं, केरल राज्य में पीएम ग्राम सड़क योजना-3 के अंतर्गत 55.28 करोड़ की लागत से 11 पुलों को स्वीकृति दी गई है।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मिली हवाओं में उड़ने की
वो सज़ा यारो
कि मैं ज़मीन के रिश्तों
से कट गया यारो
वो बे-ख़याल मुसाफ़िर
में रास्ता यारो
कहाँ था बस में मिरे उस
को रोकना यारो
मिरे क़लम पे ज़माने की
गर्द ऐसी थी
कि अपने बारे में कुछ भी
न लिख सका यारो
तमाम शहर ही जिस की
तलाश में गुम था
मैं उस के घर का पता
किस से पूछता यारो
जो बे-शुमार दिलों की
नज़र में रहता था
वो अपने बच्चों को इक
घर न दे सका यारो
जनाब-ए-'मीर' की ख़ुद-ग़र्ज़ियों
के सदक़े में
मियाँ 'वसीम' के कहने को क्या बचा
यारो।

- वसीम बरेलवी

म.प्र. की महिला किसान ने बनाया खुद का मौसम विभाग

● 15 दिन पहले पता चल जाता है वेदर, दिग्गज भी नहीं बता पा रहे कमी ● देखने पहुंचे कृषि वैज्ञानिकों समेत बड़े दिग्गज

जबलपुर (नप्र)। जिले के गांव कलगुड़ी, बरेला की अंशुमाला अजय धगट, जो एक प्रेरणादायक महिला किसान हैं, ने हाल ही में अपने जैविक फार्म पर एक मिनी मौसम केंद्र स्थापित किया है। यह मौसम केंद्र लगभग दो महीने पहले लगाया गया था, और हाल ही में इसका निरीक्षण करने के लिए कई महत्वपूर्ण व्यक्ति आए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलसचिव आर एस सिसोदिया, उप संचालक कृषि डॉ. एस के निगम, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. जीएस टैगोर, और अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी शामिल हुए।

मिनी मौसम केंद्र की उपयोगिता- अंशुमाला अजय धगट ने बताया कि इस मिनी मौसम केंद्र की मदद से उन्हें अपने इलाके के मौजूदा और आगामी पंद्रह दिनों के मौसम की सटीक जानकारी मिल जाती है। इससे वह अपने खेतों के लिए सही निर्णय ले पाने में सक्षम हैं। उनकी लगभग 10 एकड़ की ज़मीन का जैविक प्रमाणीकरण मध्य प्रदेश राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था भोपाल से प्राप्त है, जो उनकी जैविक खेती की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जैविक खेती में नवाचार

अंशुमाला के जैविक फार्म पर 110 गिर गायें हैं, और इन गायों के गोबर और गौमूत्र से जीवामृत बनाने के लिए उन्होंने एक एडवांस लिक्विड बायोफर्टिलाइजर सिस्टम स्थापित किया है। यह बायोफर्टिलाइजर प्रति दिन 200 लीटर जीवामृत तैयार करता है, जिसका उपयोग वह अपने खेतों में करती हैं। जीवामृत, एक प्राकृतिक उर्वरक है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारने और फसलों की वृद्धि में सहायक होता है।

मिनी मौसम केंद्र का महत्व

मिनी मौसम केंद्र एक अत्याधुनिक उपकरण है, जिसकी लागत लगभग 50 हजार रुपये है। यह सॉफ्टवेयर आधारित ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन है, जो सूर्य की तीव्रता, हवा की गति, दिशा, तापमान, हवा में नमी, वायुदाब, वर्षा, मिट्टी का तापमान, और नमी के स्तर जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर्स को मापता है। यह उपकरण किसानों को सटीक मौसम पूर्वानुमान प्रदान करता है, जिससे वे अपनी खेती की योजनाओं को बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं।

हर किसान लगा सकता है ये यंत्र

संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम ने इस अवसर पर कहा कि मिनी मौसम केंद्र एक छोटा लेकिन प्रभावशाली यंत्र है, जिसे हर किसान आसानी से अपने खेतों में स्थापित कर सकता है। यह तकनीक किसानों को बदलते मौसम की परिस्थितियों से निपटने में मदद करती है और उनकी खेती की उत्पादकता को बढ़ाती है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36.3 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 12 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र, धर्म से धर्म में भेदभाव

शाह ने राहुल की 'विभाजनकारी सोच' पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश को बांटने की साजिश करने वाली ताकतों का साथ देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए देश विरोधी बयान देना एक आदत बन गई है। अमित शाह का यह बयान पीएम मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयानों के बाद आया है। गृह मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करते हैं। भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गांधी

की विभाजनकारी मानसिकता को दिखाता है। उन्होंने आरक्षण को लेकर कांग्रेस नेता को चुनौती देते हुए कहा कि जबतक बीजेपी है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। चाहे जम्मू-कश्मीर में जेकेएनसी के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गांधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है।

नमाज से 5 मिनट पहले हिंदू बंद करें पूजा और लाउडस्पीकर

दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार का तालिबानी आदेश

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में गृह मंत्रालय ने तालिबानी फरमान जारी किया है। मंगलवार 10 सितम्बर को जारी बांग्लादेश के गृह मंत्रालय के आदेश में दुर्गा पूजा से पहले देश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को निर्देशित किया गया है। इसमें पूजा समितियों को अजान

और नमाज से पांच मिनट पहले दुर्गा पूजा से जुड़े अनुष्ठान और साउंड सिस्टम बंद करने का निर्देश दिया गया है। इस आदेश से हिंदू समुदाय में आक्रोश है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आदेश की तुलना लोग तालिबानी फरमान से कर रहे हैं। इस फैसले का विरोध भी किया जा रहा है। बांग्लादेश की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गृह मंत्रालय के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रि) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने मंगलवार को नेताओं से मुलाकात की थी।

मणिपुर को छावनी बनाकर भी हिंसा नहीं रोक पा रही सरकार

● अब तो लोग भी देने लगे अल्टीमेटम, अब तक 200 लोगों की मौत

● सुरक्षा बलों पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगा रहे हैं आम लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मणिपुर से असम राइफल्स की दो बटालियनों को वापस बुलाया तो अगले ही दिन सीआरपीएफ की दो बटालियनें वहां भेज भी दीं। पिछले वर्ष 3 मई को आरक्षण के मुद्दे पर शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 200 लोगों की मौत हो चुकी है।

बीते कुछ महीनों में मणिपुर लगभग शांत रहा था, लेकिन फिर से हिंसा का दौर शुरू हो गया। चिंता की बात है कि हमलों के लिए ऐसे-ऐसे हथियार इस्तेमाल किए जा रहे हैं जो युद्ध के दौरान उपयोग में आते हैं। सवाल है कि आखिर ऐसे हथियार अराजक तत्वों तक पहुंच कैसे रहे हैं। सवाल यह भी है कि इतनी भारी संख्या में सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद स्थिति नियंत्रण में क्यों नहीं आ रही है।

16 महीने से शांति का इंतजार

पहाड़ों पर बसे कुकी समुदाय और घाटी में रह रहे मैतई समुदाय के बीच छिड़ा संग्राम 16 महीने बाद भी खत्म नहीं होने की वजह से मणिपुर के लोगों में निराशा का माहौल छा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह मैतई समुदाय से हैं। ऐसे में उन्हें विरोधी कुकी समुदाय की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों हुई हिंसा में कई बीजेपी नेताओं को भी निशाना बनाया गया है। बीते शनिवार को हुई ताजा हिंसा में पांच लोगों की मौत हुई थी।

संघ प्रमुख ने भी जताई थी चिंता

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बीते 10 जून को मणिपुर में शांति लाने पर जोर दिया तो एक आस जगी कि अब वहां उपद्रवियों पर और ज्यादा लगाम कसा जाएगा। भागवत के बयान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक की। उसमें बड़े-बड़े अफसरों को निर्देश दिया गया कि जैसे भी हो मणिपुर को हिंसा के दौर से बाहर निकालना है लेकिन आज तक यह सपना ही रह गया है। अब भी उपद्रवी जब चाहते हैं, जहां चाहते हैं हमले कर रहे हैं। फिर सुरक्षा बलों की मौजूदगी का क्या मतलब रह जाता है। मणिपुर एक बॉर्डर स्टेट है, इसलिए चुनौतियां थोड़ी गंभीर तो हैं। पड़ोसी देश उपद्रवियों को हथियार और गोला-बारूद दे रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि सुरक्षा बलों को एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात करने पड़ गए हैं। मैतेई और कुकी, दोनों समुदायों के पास घातक हथियारों का जखीरा है और वो एक-दूसरे के खिलाफ हवाई हमले भी कर रहे हैं। उन्हें पड़ोसी देशों से हथियारों की सप्लाई तो हो ही रही है, वो हथियारों की लूट भी कर रहे हैं। ऐसे निराशाजनक माहौल में मणिपुर के लोगों ने सुरक्षा बलों की मौजूदगी पर भी सवाल खड़ा करना शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि हिंसा के दौर में सुरक्षा बल मूकदर्शक बने रहते हैं। वो पूछ रहे हैं कि ऐसी तैनाती का क्या मतलब है।

कनाडा बॉर्डर पर हजारों की तादाद में जमा हैं भारतीय

● गैरकानूनी तरीके से एंट्री की कोशिश, टेंशन में अमेरिका

ओटावा (एजेंसी)। अमेरिका में कनाडा के रास्ते से गैरकानूनी तरीके से एंट्री करने वाले भारतीयों की संख्या में हालिया समय में बढ़ोत्तरी हुई है। खासतौर से उत्तरी अमेरिकी बॉर्डर पर ऐसे भारतीय प्रवासियों

की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है, जो कनाडा से अमेरिका में एंट्री ले रहे हैं। एनपीआर डॉट ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत से आए अप्रवासियों के समूह कनाडा की सीमा के पास क्लिंटन काउंटी में पहुंच रहे हैं। यहां उनको दूसरे लोग मिल जाते हैं।

सेमीकंडक्टर-इंडस्ट्री को ड्राइव करने में अहम भूमिका निभाएगा भारत

● सेमीकॉन इंडिया 2024 प्रदर्शनी के उद्घाटन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2024 प्रदर्शनी की शुरुआत की। पीएम मोदी ने इस दौरान वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी के भारत में चिप कभी डाउन नहीं होंगी। आज का भारत दुनिया को भरोसा देता है कि जब चिप डाउन होंगी, तब आप भारत पर दांव लगा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चिप डिजाइनिंग की दुनिया में 20 फीसदी टैलेंट का योगदान भारत कर रहा है और इसका निरंतर विस्तार हो रहा है। भारत का फोकस अपने स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री रेडी बनाने पर है। ये इवेंट नॉलेज पार्क 2 में

13 सितंबर तक चलेगा ये इवेंट

13 सितंबर तक चलेगा। इस प्रदर्शनी में दुनियाभर की लीडिंग सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव उनके साथ मौजूद रहे। सेमीकॉन इंडिया 2024 के शेड्यूल के अनुसार, 11 से 13 सितंबर तक तीनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी जिसमें दुनियाभर के सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरर अपने

स्टॉल लगे हुए हैं। भारत दुनिया का 8वां देश है जहां ग्लोबल सेमीकंडक्टर से जुड़ा ये भव्य आयोजन हो रहा है और मैं कह सकता हूं कि यह भारत में रहने का सही समय है..आप सही समय पर सही जगह पर हैं...आज भारत दुनिया को भरोसा देता है। आज भारत आत्म निर्भर होने के लिए मैन्युफैक्चरिंग बढ़ा रहा है। आज भारत बड़े पैमाने पर ग्रीन ट्रांजेक्शन कर रहा है। भारत में डेटा सेंटर की डिमांड लगातार बढ़ रही है। यानी ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को ड्राइव करने में भारत अहम भूमिका निभाने जा रहा है। हम भारत में सेमीकंडक्टर के प्रोडक्शन को बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को आगे बढ़ाने के लिए हमने बहुत सारे कदम उठाए हैं। भारत में सेमीकंडक्टर फैसिलिटी लगाने के लिए सरकार 50 फीसदी का सपोर्ट दे रही है।

भारतवंशी कमला हैरिस जीतीं अमेरिकी प्रेसिडेंशियल डिबेट

5 सर्वे में उन्हें बेहतर माना

● ट्रम्प ने पर्सनल अटैक किए, वे मुस्कुराकर जवाब देती रहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और भारतवंशी कमला हैरिस के बीच बुधवार को प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। दोनों ने 90 मिनट बहस की। डिबेट शुरू होने से पहले कमला ट्रम्प के पोडियम तक पहुंचीं और उनसे हाथ मिलाया। डिबेट में ट्रम्प ने कमला पर पर्सनल अटैक किए। उन्हों कहा, कमला वामपंथी हैं, उनके पिता कम्युनिस्ट हैं। उन्होंने कमला को अच्छे से वामपंथ सिखाया है। कमला क्या हैं इससे मुझे फर्क नहीं पड़ता पर मैंने कहीं पढ़ा था कि वे अश्वेत नहीं है। ट्रम्प के इन आरोपों पर कमला ने कुछ नहीं कहा, बस मुस्कुराती रहीं।

भाजपा विधायक दल की कार्यकारिणी गठित

● कैलाश विजयवर्गीय को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बने मुख्य सचेतक ● भाजपा विधायक दल की कार्यकारिणी के नेता मोहन यादव ● कार्यकारिणी में 9 पदाधिकारी और 16 सदस्य ● चार आदिवासी और दो एससी विधायक शामिल

भोपाल (नप्र)। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की कार्यकारिणी गठित कर दी गई है। कार्यकारिणी में कुल नौ पदाधिकारी और 16 सदस्य बनाए गए हैं। विधायक दल की कार्यकारिणी में दल के नेता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बने हैं तो आदिवासी विधायक ओमप्रकाश धुर्वे को उप नेता और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को मुख्य सचेतक बनाया गया है।

इसी तरह, विधायक शैलेंद्र जैन को महामंत्री, रीति पाठक और रामेश्वर शर्मा को सचेतक, अनुसूचित जाति वर्ग से विधायक हरिशंकर खटीक और संजय सत्येंद्र पाठक मंत्री बनाए गए हैं, वहीं हेमंत विजय खंडेलवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

कार्यकारिणी में विधायक गोपाल भार्गव, जयंत मलैया, नागेंद्र सिंह नागोद, जयसिंह मरावी (अजजा), मीना सिंह (अजजा), डॉ. सीतासरन शर्मा, भूपेंद्र सिंह, अजय विश्नोई, ओमप्रकाश सखलेचा, डॉ. राजेंद्र पांडेय, दिव्यराज सिंह, उमाकांत शर्मा, मंजू राजेंद्र दादू (अजजा), रमेश प्रसाद खटीक (अजा), जगन्नाथ रघुवंशी और अमरीश शर्मा सदस्य बनाए गए हैं। कार्यकारिणी में चार आदिवासी विधायक और दो अनुसूचित जाति वर्ग के विधायक को जगह दी गई है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी की उधेड़ी बखिया

सिंधिया ने नरसंहार की याद दिलाई

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लगातार दूसरे दिन अपने पुराने दोस्त राहुल गांधी पर हमला किया है। उनके कांग्रेस में रहने के दौरान राहुल गांधी से अच्छी मित्रता था। अब दोनों की राहें अलग हैं तो रिश्ते में तल्खी भी आ गई है। सिखों पर दिए गए बयान को लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। साथ ही उन्हें नरसंहार वाली घटना याद दिला दी है। दरअसल, केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस पार्टी की राष्ट्र विरोधी मानसिकता और झूठ बोलने की आदत आज सबके सामने आ गई है! उन्होंने आगे लिखा कि वैसे तो कांग्रेस का इतिहास देश में दरार और विभाजन के बीज बोने का रहा है लेकिन राष्ट्र के प्रति हालिया उपेक्षा और अनादर दर्शाता है कि पार्टी और भी अधिक नीचे गिरने में सक्षम है।

सिख समुदाय के बारे में बोला झूठ- ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि विभाजनकारी विचारधारा के साथ, राहुल गांधी हमारे वीर और देशभक्त सिख समुदाय के बारे में सरासर झूठ फैला रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में ही हमारे सिख भाइयों और बहनों के खिलाफ भयानक हिंसक हमले और नरसंहार किए गए थे। सिंधिया ने कहा कि उनके बयान याद दिलाते हैं कि बड़ी पुरानी पार्टी अपने राजनीतिक लाभ के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकती है। साथ ही हमारे देश की छवि को नष्ट कर सकती है।

क्या कहा था राहुल गांधी

राहुल गांधी ने अमेरिका के वर्जीनिया में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि असली लड़ाई राजनीति की नहीं बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता की है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत में सिखों को पगड़ी या कड़ा पहनने, या गुरुद्वारा जाने की अनुमति होगी? राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं और भारतीय समुदाय से मुलाकात कर रहे हैं। वर्जीनिया में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज की असली लड़ाई सिर्फ़ राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह अधिक गहरी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि लड़ाई इस बारे में है कि क्या...एक सिख के तौर पर उन्हें भारत में पगड़ी पहनने की इजाजत दी जाएगी या एक सिख के तौर पर उन्हें भारत में कड़ा पहनने की इजाजत दी जाएगी... या फिर एक सिख गुरुद्वारा जा सकेगा।

फिर पानी-पानी हुआ आधा देश, बिगड़े हालात

एमपी के 21 जिलों में झमाझम बारिश, राजस्थान में डैम ओवरफ्लो

नोएडा स्टेडियम में पानी भरा, न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान टेस्ट नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में 2 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार को 21 जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में रेड अलर्ट जारी किया है। सितंबर के सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम से पूरा मध्यप्रदेश तरबतर हो रहा है। भोपाल, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार से बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के जयपुर में आज तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। ब्यावर जिले का नंदा बांध 25 साल बाद ओवरफ्लो हुआ तो लोग बैंड बाजे के साथ नाचने-गाने लगे। राज्य में 15 सितंबर तक बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की वजह से नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में पानी भर गया है। इसकी वजह से न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच तीसरे दिन भी नहीं खेला जा सका। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से बारिश हो रही है। इंद्रावती व चिंतावागु नदी उफान पर है। सुकमा और बीजापुर का महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से संपर्क टूट गया है। आज भी यलो अलर्ट है।

पत्नी ने जहर खाया तो पति पर उकसाने का केस

सुसाइड से पहले पिटाई के आरोप, दूसरी महिला के साथ लिव इन में रहता था पति

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भंवरकुआ पुलिस ने पत्नी की मौत के मामले में पति पर आत्महत्या के लिये उकसाने का केस दर्ज किया है। पति की पिटाई से दुखी होकर पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। पति दूसरी महिला के साथ लिव इन में रहता था।भंवरकुआ थाने के एएसआई मधुकर विश्वकर्मा ने बताया कि पुलिस ने जांच के बाद हुकमीचंद कुमावत निवासी श्री राम नगर पर केस दर्ज किया है। कुछ समय पहले उसकी पत्नी ललिता कुमावत ने आत्महत्या कर ली थी। एएसआई विश्वकर्मा ने बताया कि दोनों की शादी 18 साल पहले हुई थी। दोनों को एक बेटा और एक बेटी हैं।मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि पति हुकमीचंद बच्चों के सामने ही ललिता को प्रताड़ित करता था। पत्नी-बच्चों को छोड़कर कई-कई दिनों के लिए चला जाता था। वह परिवार की परवरिश भी नहीं कर रहा था। इसके चलते ललिता को ही काम करके पैसा कमाना पड़ता था। पिता ने आरोप लगाया कि बेटी ललिता ने जीवित रहते बताया कि पति हुकमीचंद के किसी गायत्री नाम की महिला से संबंध हैं। और वह उसी पर पूरी कमाई खर्च कर देता है। पिता ने कहा 18 जून को हुकमीचंद ने हमें फोन लगाकर बताया कि ललिता ने जहर खा लिया है। उसे एमवाय ले गए हैं। हम लोग एमवाय अस्पताल पहुंचे तब तक ललिता की मौत हो चुकी थी। उसके शरीर पर मारपीट के निशान थे। बच्चों ने भी कहा कि पापा ने मां ललिता को मारा था। इसके बाद पिता ने हुकमीचंद के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

मंदिर के पास फेंके जानवर के अवशेष

हिंदू संगठन ने किया विरोध, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एरोड्रम में एक मंदिर के बाहर जानवर के अवशेष मिले हैं। इसके विरोध में मंदिर के बाहर हिंदू संगठन के लोगों ने हंगामा कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामला शांत कराया है। अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मामला संगम नगर का है। उन्होंने बताया कि यहां मंदिर के आगे कोई अज्ञात व्यक्ति

जानवर के अवशेष फेंककर गया है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल मौके से अवशेष हटवाए। इधर, पुलिस ने अभी मामले में शिकायती आवेदन लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज तलाश रही है।

पूर्व मंत्री बोली आधे हिंदुस्तान पर वक्फ बोर्ड का कब्जा

इंदौर में विधायक उषा ठाकुर ने की वक्फ बोर्ड की खिलाफत

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व कैबिनेट मंत्री और

इंदौर जिले के महू विधानसभा की वर्तमान विधायक उषा ठाकुर ने इंदौर कलेक्ट्रेट ऑफिस में मीडिया से चर्चा करते हुए एक बार फिर विवादित बयान दे दिया। ठाकुर ने वक्फ बोर्ड पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि 'आधे हिंदुस्तान पर वक्त बोर्ड का कब्जा है।' उषा ठाकुर ने संसद में वक्फ बोर्ड को लेकर उठाए गए मुद्दों का समर्थन करते हुए कहा कि सभी देश भक्तों को इस मुद्दे पर डट कर खड़े होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'भारत संविधान से चलने वाला देश है और संविधान हमारी आत्मा है। इसके विरुद्ध कोई भी कार्य करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।' उषा ठाकुर ने वक्फ बोर्ड को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक ऐसा कानून है जहां 'न कोई अपील है और न ही कोई दलील'। उनके अनुसार, वक्फ बोर्ड बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के किसी भी जमीन पर दावा कर सकता है और इसे अपनी संपत्ति घोषित कर सकता है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में बिना प्रमाण या दस्तावेजों के समय के साथ इस तरह के दावे किए गए हैं, जिससे लोगों की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड का कब्जा हो चुका है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि जो भारतीय संविधान के अनुसार प्रमाणित दस्तावेज रखते हैं, उन्हें उनकी संपत्तियों का अधिकार मिलेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का पालन हर नागरिक और संस्था के लिए अनिवार्य है, और किसी भी अकारण दावे को निरस्त किया जाना चाहिए। उषा ठाकुर के इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

इंदौर कोर्ट का फैसला

ऑपरेशन में चूक..प्रसूता को 12 लाख रु. हर्जाना मिलेगा

इंदौर (एजेंसी)। प्रसूति ऑपरेशन के बाद इलाज में लापरवाही पर कोर्ट ने इंदौर के अरिहंत अस्पताल और डॉ. नलिनी झवेरी पर चार लाख रुपए का जुर्माना किया है। यह रकम महिला मरीज को दिलाई जाएगी। मामला 11 साल पुराना है। परिवार को प्रसूता की डिस्चार्ज डेट यानी जुलाई 2014 से ही 12 प्रतिशत ब्याज से हर्जाना मिलेगा। इसके साथ ही इलाज के लिए खर्च हुआ अतिरिक्त पैसा भी दिलाया जाएगा। यह सब राशि मिलाकर करीब 12 लाख रुपए पीड़िता को मिलेंगे। अदालत ने माना कि प्रसूति के ऑपरेशन के बाद महिला को ब्लीडिंग होने लगी थी। हालत बिगड़ गए, बावजूद डॉक्टर और हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने कुछ नहीं किया। मरीज को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया तब जाकर मौत के मुंह से बाहर आ पाई। इस कारण मरीज को तीन लाख रुपए अतिरिक्त खर्च करना पड़ा। अस्पताल और डॉक्टर को 12 प्रतिशत ब्याज के साथ 3 लाख रुपए की भरपाई भी करनी होगी। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष बलराज कुमार पालोदा ने 6 सितंबर को फैसला सुनाया। इसकी कॉपी 9 सितंबर को जारी हो गई है।

जाम गेट पर ट्रेनी आर्मी ऑफिसर को लूटा

बंधक बनाकर मंगाए पैसे, महिला मित्र के साथ घूमने निकले थे

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के नजदीक पर्यटन स्थल पर बुधवार सुबह

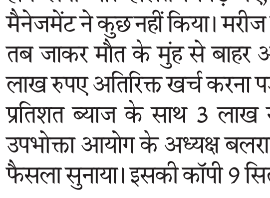

आर्मी के ट्रेनी ऑफिसर के साथ लूट हो गई। वे कार में महिला मित्र के साथ बैठे थे। तभी पांच-छह अज्ञात बदमाश आए और उन्हें बंधक बना लिया। जेब से पैसे और अन्य सामान लूट लिए। बंधक बनाकर और पैसे मंगाए। घटना बुधवार सुबह की है। बड़गोंदा थाने से मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक आर्मी ऑफिसर महिला मित्र के साथ कार में बैठे थे। इसी दौरान 5 से 7 बदमाशों ने आकर पहले मारपीट की इसके बाद एक आर्मी जवान और उसकी महिला मित्र को बंधक बनाकर पैसे लाने को कहा। अभी मामले में केस दर्ज नहीं किया गया है।जैसे ही बदमाशों को पता चला कि जिसे बंधक बनाया है वो आर्मी जवान है इसके बाद बदमाश उन्हें वहीं छोड़कर भाग गए।

इंदौर में तालाबनुमा जमीन पर प्लाट काटने का आरोप

मिट्टी के डंपरों से आंतरिक रोड क्षतिग्रस्त, स्कूली ऑटो पलटते-पलटते बचा, महिलाओं ने डंपर रोके

इंदौर (एजेंसी)। खजराना क्षेत्र के एक कॉलोनाइजर के खिलाफ आक्रोश है। उसके द्वारा कनाडिया क्षेत्र में सोजतिया पाल्म के पीछे तालाबनुमा जमीन को डंपरों से मिट्टी लाकर भरा जा रहा है। यहां भारी मात्रा में पानी होने से सैकड़ों डंपर मिट्टी लाई जा रही है। रात-दिन काम चल रहा है, हालांकि बुधवार दोपहर को महिलाएं आगे आई और उन्होंने यहां आने वाले डंपरों को रोक दिया है। रहवासियों का आरोप है कि जो प्राकृतिक रूप से तालाब की जमीन है, भविष्य में भी यहां पानी भरा तो खरीदों के साथ धोखा होगा। बारिश का जो पानी तालाब में जाता है, वह निर्माण के बाद कहां जाएगा।

कनाडिया पुलिस से भी सांठगांठ का आरोप

रहवासियों ने बताया कि तालाबनुमा जमीन पर बन रही कॉलोनी का मुख्य रास्ता बंगाली-कनाडिया रोड पर पेट्रोल पंप के पास से है। चूंकि वहां दिन में डंपरों की एंट्री पर रोक है इसलिए कनाडिया पुलिस और ट्रैफिक कर्मियों के साथ सांठगांठ कर भंडारी रिसोर्ट के पीछे आंतरिक मार्ग से डंपर दिन में चलाए जा रहे हैं। पुलिस जवान कनाडिया बायपास चौराहा पर शराब दुकान के पास दिनभर चैकिंग करते हैं लेकिन उन्हें ये अवैध डंपर नहीं दिख रहे। अवैध डंपरों के निकलने से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। यहां कीचड़ और गड्ढों के कारण स्कूली बच्चों को भंडारी रिसोर्ट के पीछे बायपास की सर्विस रोड पर ही उतार दिया जा रहा है। वहां से घर तक बच्चों को पैदल जाना पड़ता है।अवैध डंपरों के निकलने से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। यहां कीचड़ और गड्ढों के कारण स्कूली बच्चों को भंडारी रिसोर्ट के पीछे बायपास की सर्विस रोड पर ही उतार दिया जा रहा है। वहां से घर तक बच्चों को पैदल जाना पड़ता है।

बदहाल हो गई मुख्य सड़क- इन डंपरों के कारण सांझी छत, माधवी कुंज, पाकीजा तरफ जाने वाली मुख्य सड़क बदहाल हो गई है। इस पर 5-5 फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं। रहवासियों ने बताया कि एक दिन पहले छात्रों से भरा ऑटो रिक्शा इस सड़क पर पलटते हुए बचा। यदि जल्द डंपरों को रोककर सड़क नहीं सुधारी गई तो बच्चों के साथ बड़ा हादसा होने की आशंका है।

धर्मस्थल के सामने बड़े बोर्ड लगाए

रहवासियों ने बताया कि प्लाट जल्दी बेचने की कोशिश है। इसके लिए बारिश में भी गड्ढे को मिट्टी से भरा जा रहा है। यहां पूरा पानी पाकीजा कॉलोनी से बहकर आता है और गड्ढा होने से यहां आने वाले दिनों में भी पानी भरने की आशंका है। माधवीकुंज के रहवासियों का आरोप है कि प्लाट बेचने के लिए खरीदारों की नजर से बचाने के लिए मस्जिद समेत फ्लैट्स के सामने बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। बता दें कि पाकीजा में इसी रोड पर दूसरी ओर में एक धर्मस्थल का निर्माण किया गया है।

महापौर बोले- परमिशन के बिना निर्माण नहीं होने देंगे

मामले में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मामले को दिखवा लेते हैं। इस तरह से रहवासी क्षेत्रों में बगैर परमिशन आंतरिक मार्ग को बिगाड़ा नहीं जा सकता। इस मामले में उचित एक्शन लिया जाएगा। खजराना की पार्षद रुबीना खान ने बताया कि कॉलोनाइजर द्वारा बायपास से सटे हुए आंतरिक मार्ग का उपयोग किया जा रहा है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष के घर के बाहर गुंडागर्दी

हथियार लहराए, सीसीटीवी में कैद हुई घटना, नशेड़ी आरोपियों पर दो एफआईआर दर्ज

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में भाजपा मंडल अध्यक्ष के यहां हथियार लहराकर धमकाने का मामला सामने आया है। नशेड़ी बदमाशों मंगलवार को घर पहुंचकर धमकी दी। पहुंचे थे। सीसीटीवी फुटेज आने के बाद पुलिस जांच कर रही है।तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मामला विधानसभा 5 के मंडल अध्यक्ष नाना टटवाड़े से जुड़ा है। टटवाड़े के घर पर कुछ गुडों ने हमला किया। उनके हाथ में हथियार थे। नाना बीजेपी विधायक महेन्द्र हार्डिया के करीबी हैं। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपियों पर दो अलग-अलग मामलो में एफआईआर दर्ज की गई है।पुलिस के मुताबिक पहले

मामले में राखी मुराडिया की शिकायत पर केस दर्ज किया है। राखी अपनी शिकायत में बताया गया कि मंगलवार को स्कूटर पर मोहित जिनवाल और उसके साथी हाथ में चाकू लेकर आए थे। आरोपियों ने पिता के नाम पर घर के बाहर खड़े होकर अपशब्द कहे। उन्होंने पिता महेन्द्र का नाम लेते हुए कहा कि घर से बाहर निकल, आज जान से खत्म कर देंगे। आरोपियों के डर के चलते महेन्द्र घर से बाहर नहीं आए। बाद में बेटी थाने पहुंची और मोहित और उसके साथियों पर केस दर्ज करा दिया। दूसरे मामले में पंचम की फेल में रहने वाली नाना टटवाड़े की पत्नी पूनम टटवाड़े ने केस दर्ज कराया है। पूनम ने बताया कि शाम को वह घर पर थी। तब मोहित जिनवाल, उमेश जिनवाल उर्फ टक व एक अन्य बदमाश स्कूटर से घर के बाहर आए। यहां अश्लील गालियां देने लगे। आरोपियों ने पति नाना के नाम से अपशब्द कहे। इसके बाद वह जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

नशा बेचने का काम करते हैं आरोपी,हमने मुहिम चलाई

भाजपा मंडल अध्यक्ष नाना टटवाडे ने बताया कि आरोपी मोहित और अन्य लोग पंचम की फेल और आसपास के इलाके में नशा बेचते हैं। कुछ दिन पहले हमने उनके खिलाफ मुहिम चलाई थी। इस पर आरोपियों ने रंजिश रखते हुए इलाके में आकर में आकर डराया धमकाया। इस बात को लेकर मंगलवार को काफी लोग थाने पहुंचे थे।

ओल्ड पेंशन स्कीम पर हाईकोर्ट का मप्र सरकार को नोटिस

इंदौर (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने ओल्ड पेंशन स्कीम मामले में नोटिस जारी कर शासन से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। पुरानी पेंशन योजना के

लाभ से वंचित रहने वाले चिकित्सा अधिकारियों ने यह याचिका लगाई थी। जिस पर वकील आदित्य संघी ने दलील दी। दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अब शासन से जवाब मांगा है। कहा कि अधिकारी ओल्ड पेंशन के लाभ से वंचित हैं। वंचित अधिकारियों में इंदौर, उज्जैन, रतलाम आदि के 27 लोग शामिल हैं।बुधवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक जैन ने मध्यप्रदेश राज्य और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है कि राज्य के अधीन चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत याचिकाकर्ताओं को पुरानी पेंशन योजना क्यों नहीं दी जा रही है? एमपी के इसी तरह पदस्थ चिकित्सा अधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिल रहा है, लेकिन 27 चिकित्सा अधिकारी जिनकी नियुक्ति उसी विज्ञापन के आधार पर हुई है, लेकिन पूरक सूची में हैं, उन्हें पुरानी पेंशन योजना के लाभ से वंचित कर दिया गया है। कुल 14 चिकित्सा अधिकारियों ने यह याचिका दायर की और आज दोनों प्रतिवादियों को 4 सप्ताह में जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया गया।

मानपुर में 70 फीट गहरी खाई में गिरा बस ड्राइवर

रास्ते में लगा जाम खुलवाने पहुंचा तो पैर फिसलने से बैलेंस बिगड़ा, देर रात दम तोड़ा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पास मानपुर इलाके में मंगलवार रात बस ड्राइवर 70 फीट गहरी खाई में गिर गया। उसे उपचार के लिए नजदीक अस्पताल ले गए वहां से इंदौर के एमवायएच रैफर किया। यहां उपचार के दौरान मंगलवार देर रात उसने दम तोड़ दिया। इधर, तेजाजी नगर में भी हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई।एमवाय चौकी पुलिस के मुताबिक घटना घाट सेक्शन की है। इंदौर-मुंबई रोड पर मंगलवार रात जाम लगा था। राज रतन बस का ड्राइवर विनोद (45) पुत्र राधेश्याम हिरवे निवासी तेजाजी नगर गाड़ी छोड़कर एक अन्य बस ड्राइवर के साथ

जाम देखने चला गया। इस दौरान पत्थर से उसका पैर फिसल गया। और वह खाई में गिर गया।साथी ने तुरंत वहां जाम खुलवा रहे पुलिसकर्मियों को जानकारी दी। उन्होंने स्टाफ और एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया। हालांकि उसे बाहर निकालने में एक घंटे से ज्यादा समय लग गया। उसे नजदीक के अस्पताल भेजा। लेकिन यहां से एमवाय रैफर कर दिया। देर रात उसने दम तोड़ दिया। विनोद के कई सालों से बस चला रहा है। वह बस लेकर मुंबई जा रहा था। उसके परिवार में माता-पिता और पत्नी और एक बेटा है।

कारीगर की सड़क हादसे में मौत

तेजाजी नगर इलाके में भी एक भूरसिंह (27) पुत्र बालू बोडले निवासी बिचौली मर्दाना की हादसे में मौत हो गई। भाई गोलू ने बताया कि वह बाइक से माड़ी धाम खुड़ैल इलाके में निर्माणाधीन मकान पर काम के लिये गया था। उसकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उपचार के लिये एमवाय भेजा गया। यहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। भूरसिंह मूल रूप से झिरन्या खरगोन का रहने वाला था।

अनंत चतुर्दशी झांकी मार्ग से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

कलेक्टर, पुलिस और निगम अधिकारियों ने जाने रास्ते के हाल, 17 को निकलना है झांकियां

इंदौर (एजेंसी)। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार निकलने वाली पारंपरिक झांकियों, अखाड़ों तथा झांकी मार्ग का बुधवार को कलेक्टर ने निरीक्षण किया। सिटी बस में सवार होकर झांकी मार्ग को देखा। व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर के साथ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।सिटी बस में सफर करते हुए उन्होंने झांकी मार्ग की व्यवस्थाओं को देखा और साथ ही कई जगह सिटी बस से उतरकर रोड की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। नेताओं व अधिकारियों ने जेल रोड, राजवाड़ा, कृष्णपुरा छत्री, जवाहर मार्ग, गौराकुंड सहित अन्य झांकी मार्ग का निरीक्षण किया।

अतिक्रमण हटाने, पैंचवर्क करने, चेंबर-नालियों को कवर करने को कहा- निरीक्षण के दौरान नेताओं और वरिष्ठ अधिकारियों को कई जगह खामियां देखने को मिली। इस खामियों को तत्काल दुरुस्त करने के लिए उन्होंने अधिकारियों को कहा। रोड़ किनारे आवश्यक सुधार काम करने, पैंचवर्क करने,

खुले चेंबर, नालियों को कवर करने, पेड़ों की डालियां छांटने, सड़क किनारे चूरी, मुरम डालने, अतिक्रमण हटाने के साथ ही समुचित मार्ग पर उचित लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

खजूरी बाजार से अतिक्रमण हटाया, व्यापारियों ने किया विरोध- कलेक्टर के दौरे से पहले मंगलवार को खजूरी बाजार इलाके में एक खाली प्लाट में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान व्यापारियों और अतिक्रमण हटाने गई टीम के बीच विवाद की स्थिति बन गई।दरअसल अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाली झांकी के लिए नगर निगम रास्ते के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई कर रहा है। इसके चलते मंगलवार सुबह निगम का अमला खजूरी बाजार सहित अन्य स्थानों पर पहुंचा। यहां जेसीबी से खाली पड़े प्लॉट से कबाड़ का सामान हटा दिया गया। हालांकि कुछ व्यापारियों ने इसका विरोध किया पर निगम ने सख्ती से कार्रवाई पूरी कर दी।नगर निगम के रिमूवल अमले ने आज सुबह खजूरी बाजार स्थित गोपाल रावत के मकान नंबर 620 पेन वर्ल्ड के खिलाफ कार्रवाई कर उसे जमींदोज किया। नगर निगम जोन 20 की भवन अधिकारी पल्लवी पाल ने बताया कि अनंत चतुर्दशी पर चल समारोह निकलेगा, जबकि खजूरी बाजार का यह जर्जर भवन खतरनाक हो चुका था।इसे तोड़ने के लिए कई ई-नोटिस नोटिस दिए गए, लेकिन मालिक ने उसे तोड़ने की कार्रवाई नहीं की। इसके चलते मंगलवार को निगम के रिमूवल अमले ने जर्जर मकान का हिस्सा तोड़ दिया।

किसी भी स्थिति में क्षिप्रा में न मिले गंदा पानी

क्षिप्रा मैली न हो इसलिए सिंहस्थ से पहले ही 1622 करोड़ में साफ होगी कान्ह-सरस्वती

इंदौर (एजेंसी)। कान्ह-सरस्वती नदी के शुद्धिकरण पर अब चौतरफा ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने तय किया है कि अब चार अलग-अलग प्रोजेक्ट में 1622 करोड़ रुपए खर्च कर इन नदियों की सफाई की जाएगी। 2028 में सिंहस्थ है। मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि किसी भी स्थिति में कान्ह-सरस्वती का गंदा पानी क्षिप्रा में नहीं मिलना चाहिए। चार में से दो योजना नमामी गंगे और अमृत 2.0 केंद्र सरकार की हैं। वहीं राज्य सरकार ने स्मार्ट सिटी कोटे से और सिंहस्थ शेल्फ प्रोजेक्ट के तहत भी प्लान तैयार किए हैं।तीन दिन पहले हुई बैठक में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि अब यह सुनिश्चित करना होगा कि जो भी काम हो वह स्थायी हो। यही वजह है कि आईआईटी इंदौर को बतौर एक्सपर्ट सभी कामों के विश्लेषण के लिए

तैयार किया है। उनकी हरी झंडी के बाद ही शहरी क्षेत्र में काम शुरू होंगे।

पुराने एसटीपी खत्म हो चुके हैं, नए बनाने होंगे। पहले जो गलतियां हुई, अब न हो, इसलिए आईआईटी की मदद ले रहे हैं।

- आशीष सिंह, कलेक्टर

किस योजना में क्या काम होना है और अभी क्या है स्थिति

नमामि गंगे - प्रस्तावित काम- 120, 40, 35 एमएलडी के एसटीपी व इंटरसेप्शन/ डायवर्जन का निर्माण। 15 साल तक संचालन, मेंटेनेंस। लागत- 511.00 करोड़ रु.। वर्तमान स्थिति- 6 सितंबर 2024 को केंद्र से वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है। कंसलटेंट के तकनीकी मूल्यांकन की मंजूरी के लिए आयुक्त नगरीय प्रशासन को एक अगस्त को भेजी हुई है।

अमृत-2.0 - प्रस्तावित काम- डी-सेंट्रलाइज 80 व 40 एमएलडी के एसटीपी का निर्माण करना व शहर के बाहरी व मध्य क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने का काम।

लागत- 568.00 करोड़। वर्तमान स्थिति- 12 अगस्त 2024 को एसएलटीसी के माध्यम से मंजूरी। एमआईसी की मंजूरी के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी।

सिंहस्थ (स्मार्ट सिटी) - प्रस्तावित काम- डी-सेंट्रलाइज 30, 30, 35, 35, 20, 20 एमएलडी के छह एसटीपी और 10-10 एमएलडी के दो सीईटीपी का निर्माण कार्य।

लागत- 348.00 करोड़- वर्तमान स्थिति- एमओजी लाइन की जमीन के एवज में एसटीपी का निर्माण व 5 साल का संचालन व मेंटेनेंस प्रस्तावित है। जल्द टेंडर बुलाएं जाएंगे।

संपादकीय

किसानों के हित में सही फैसला

मप्र के सोयाबीन उत्पादक किसानों से इस साल उनकी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी के राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी देकर केन्द्र सरकार ने संवेदनशीलता का परिचय दिया है। साथ ही राज्य सरकार ने भी समय रहते जागरूकता दिखाकर किसानों की मदद की है। राज्य में सोयाबीन एमएसपी पर खरीदी की मांग को लेकर 20 दिनों से आंदोलन कर रहे थे। उनकी मांग थी कि प्रदेश में सोयाबीन की खरीदी 6 हजार रू. प्रति क्वि. के भाव से हो। उन्होंने कई स्थानों पर रैलियां भी निकाली थीं। इस मुद्दे को कांग्रेस ने भी समर्थन दे दिया था। किसानों को उम्मीद थी कि केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान के रहते एमएसपी पर खरीदी मामले में अनुकूल फैसला होगा। वही हुआ भी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने राज्य में सोयाबीन 4892 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार ने ये प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट बैठक में पास होने के बाद केंद्र को भेजा था। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, कृषि और किसान कल्याण पीएम मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पहले हमने महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों को एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने की अनुमति दी थी। कल रात हमें एमपी सरकार से एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने का प्रस्ताव मिला। हमने उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। किसानों को उनकी मेहनत का वाजिब दाम मिलेगा। केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते तीन राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना में पीएसएस (प्राइज सपोर्ट स्कीम) योजना से एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने की मंजूरी दी थी। तीन दिन पहले भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एमपी को इस योजना में शामिल न करने पर आपत्ति जताई थी। जीतू पटवारी का आरोप है कि सरकार सोया ऑयल कंपनियों को मुनाफा पहुंचाने के लिए सोयाबीन के दाम नहीं बढ़ा रही है। मार्केट में बड़े व्यापारी कम दामों पर सोयाबीन खरीदी कर लेंगे और जब किसान के पास स्टॉक खत्म हो जाएगा तो सोयाबीन के रेट बढ़ जाएंगे। ऐसे में बड़ी कंपनियां ऑयल कंपिनयों को ऊंचे दामों पर सोयाबीन बेचेंगी। इससे किसानों को घाटा और कंपनियों को मुनाफा होगा। अहम बात यह है कि राज्य में सोयाबीन की फसल अभी आई नहीं है। उसके पहले ही सरकार ने उसकी एमएसपी खरीद को मंजूरी दे दी है। दरअसल पिछले कई सालों से राज्य में सोयाबीन के दाम एमएसपी से ज्यादा रहते आए हैं। ऐसे में किसान को मार्केट में अच्छे दाम मिल जाते थे। लेकिन इस बार सोयाबीन की फसल तैयार होने से पहले ही (ऑफ सीजन) में ही रेट काफी कम हैं। यानी एमएसपी से भी किसानों 1-2 हजार रू. प्रति क्विंटल कम रेट मिल रहा है। 'पिछले साल सोयाबीन की कीमत 4300 रुपए प्रति क्विंटल मिली थी। अब केन्द्र सरकार के फैसले से किसानों को काफी राहत मिलेगी। गौरतलब बात यह है कि मप्र एक जमाने में सोयाबीन स्टेट के रूप में जाना जाता था। क्योंकि देश में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादन यहीं होता था। पिछले दो सालों से यह तमगा मप्र से महाराष्ट्र ने छीन लिया था। लेकिन यह मप्र के किसानों की मेहनत का कमाल है कि इस साल एमपी फिर सोयाबीन उत्पादन में देश में सिरमौर हो गया। अगर उत्पादन की बात करें तो पिछले साल देश में कुल 130.54 लाख टन सोयाबीन पैदा हुआ था, जिसमें से अकेले मप्र में 54.22 लाख टन सोयाबीन की पैदावार हुई, जोकि कुल राष्ट्रीय उत्पादन का 41.92 फीसदी है। ऐसे में सरकार द्वारा राज्य के सोया उत्पादक किसानों से एमएसपी पर फसल खरीद करना मप्र के किसानों की हौसला अफजाई भी है।

नजरिया

हरियाणा चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं संकेतों के अर्थ

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन 'आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान भी कर दिया है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है। भले ही 'आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि 'आप' प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे।

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बढ़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है।

भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका। इसके मुख्य कारण सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बन कर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है।

पहलवानों से जुड़ा मामला और बृज भूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है। हरियाणा में पहलवानों की सबसे अधिक संख्या और कुश्ती में एक मजबूत परंपरा होने के बावजूद, समर्थन की कथित कमी पर चिंता है। खेलो इंडिया पहल में, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है, गुजरात को सबसे अधिक बजट आवंटित किया गया, जिससे हरियाणा के खेल समुदाय में असंतोष पैदा हुआ। यह मुद्दा राज्य में एथलीटों के लिए संसाधनों और समर्थन के वितरण में कथित असंतुलन को उजागर करता है। इन स्थितियों में विनेश और बजरंग पहलवान के कांग्रेस में शामिल होने का पार्टी को लाभ मिलेगा। हरियाणा चुनाव में उठाये जा रहे मुद्दों पर गौर करे तो ये संकेत भाजपा के लिये संकट का कारण बन रहे हैं। कुल मिलाकर इस बार हरियाणा के चुनावों में लड़ाई कई दलों के लिये आरपार की है। 'अभी नही तो कभी नहीं'- हरियाणा का सिंहासन छूने के लिये सबके हाथों में खुजली आ रही है। इसमें हरियाणा के मतदाता की जागरूकता, संकल्प एवं विवेक ही प्रभावी भूमिका अदा करेंगा।

विश्व राजनीति

हिंदूफोबिया को लेकर बाइडेन सरकार संदेह के घेरे में

चेतनादित्य आलोक

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अमेरिकी सरकार अपने देश में होने वाली नस्लवादी हिंसा पर हमेशा ही परदे डालने का कार्य करती है, लेकिन ऐसी ही हिंसक गतिविधियों को लेकर दूसरे देशों, विशेषकर विकासशील, कमजोर और छोटे देशों के पीछे वह हाथ धोकर पड़ी रहती है। गौरतलब है कि इसी वर्ष जून के आखिरी सप्ताह में अमेरिका के विदेश विभाग ने वर्ष 2023 के लिए 'धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट' जारी कर मोदी सरकार और बीजेपी का नाम लिए बिना ही भारत में मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया था, जबकि सच तो यह है कि भारत में अल्पसंख्यक दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक स्वतंत्र, तीव्र जनसंख्या वृद्धि एवं आर्थिक समृद्धि वाला वर्ग (समूह) माना जाता है और अब तो यह सिद्ध भी हो चुका है। भारत में निवास करने वाले हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, यहूदी, वोहरा आदि तमाम समुदायों के लोग स्वतंत्रतापूर्वक रहते हुए अपने मन के मुताबिक अपनी जीविका चलाने तथा परिवार का भरण-पोषण करने का कार्य करते हैं। इतना ही नहीं, भारत में रहने वाला किसी भी जाति, समुदाय, धर्म अथवा वर्ग का कोई भी व्यक्ति दूसरे दर्जे का नागरिक नहीं समझा जाता है। भारत के पवित्र और महान संविधान ने यहां पर निवास करने वाले अन्य जातियों, समुदायों, धर्मों और वर्गों के व्यक्तियों को भी उतना ही अधिकार प्रदान किया है, जितना हिंदू समुदाय के लोगों को प्राप्त है।

इतनी स्वतंत्रता... इतनी समानता... इतनी आजाद ख्याली और इतनी निर्भीकता किसी अन्य देश में अल्पसंख्यकों को प्राप्त है क्या... नहीं, लेकिन फिर भी अमेरिका भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार एवं भेदभाव किए जाने का आरोप लगाता रहता है। सर्वाधिक दुःख की बात तो यह है कि यह आरोप सिर्फअमेरिका ही नहीं, बल्कि कनाडा, जर्मनी, तुर्किए, पाकिस्तान और मालदीव जैसे देश भी अब भारत पर इस प्रकार के घिनौने आरोप लगाने की हिमाकत करने लगे हैं, जिनके देशों में खुद ही अल्पसंख्यकों का जीवन हमेशा संकटों से भरा रहता है। इस मामले में जर्मनी को यदि छोड़ भी दें तो कनाडा, तुर्किए, पाकिस्तान और मालदीव को यह अधिकार नहीं है कि वे अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने का आरोप भारत पर लगाएं, लेकिन ये ऐसा करने की हिम्मत इसलिए करते हैं, क्योंकि इन देशों में फिलहाल भारत और मोदी विरोधी सरकारें मौजूद हैं। इसलिए येन-केन-प्रकारेण इन्हें भारत और मोदी सरकार का विरोध करना ही है। ऐसे में नकारात्मक राजनीति करने वाले हमारे देश के कुछ विपक्षी दल और राजनेता इनका काम आसान करने का कार्य करते रहते हैं। प्रायः प्रत्येक बात पर मोदी सरकार का विरोध करते-करते कुछ विपक्षी दल और राजनेता अक्सर मर्यादा की सीमाएं लांघ जाते हैं। अभी बहुत दिन नहीं हुए हैं, जब राहुल गांधी ने देश के भीतर भी और विदेशों में भी विपक्ष की आवाजें दबाने और देश की स्वायश्र संस्थाओं को कमजोर तथा नियंत्रित करने का आरोप मोदी सरकार पर लगाया था।

बाद में तमाम विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं यथा अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, कनीमोई आदि ने भी यही आरोप लगाया था। दरअसल, मोदी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलेरेंस की नीति अपनाए जाने की वजह से देश भर से अनेक विपक्षी नेताओं के भ्रष्टाचार उजागर होने और फिर ईडी तथा सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के हत्थे चढ़े इन नेताओं के जेल जाने के मामले को विपक्ष ने मोदी सरकार की दमनकारी नीति करार देकर इसे देश के भीतर और बाहर मुद्दा बनाने का कार्य किया। इतना ही नहीं, मुसलिमों के विरूद्ध भाजपा मुख्यमंत्रियों और नेताओं द्वारा दिए गए राजनीतिक बयानों और किसी मुसलिम नागरिक के विरूद्ध घटित सही या गलत कुछेक घटनाओं को लेकर सरकार और भाजपा को मुसलिम विरोधी बताते हुए मीडिया में मनगढ़ंत इस्लामोफोबिक एजेंडा चलाने का भी कार्य किया गया। देखा जाए तो सरकार और प्रधानमंत्री मोदी के विरूद्ध विपक्ष के द्वारा चलाए जाने वाले ऐसे नकारात्मक नैरेटिव को ही अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, तुर्किए, पाकिस्तान और मालदीव जैसे देश आगे बढ़ाने का कार्य करते रहते हैं, ताकि दुनिया भर में भारत विरोधी एजेंडा चलाकर मोदी सरकार को बदनाम और कमजोर किया जा सके। यह एक घातक अंतरराष्ट्रीय साजिश प्रतीत होती है, जिसे देश की विपक्षी पार्टियां जाने-अनजाने मजबूती प्रदान करने का कार्य करती रही हैं।

जबकि वास्तव में 2014 से ही 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के सिद्धांत पर चलती हुई मोदी सरकार बिना भेदभाव के सभी जातियों, वर्गों, समुदायों एवं धर्मों के लोगों का विकास करने में जुटी हुई है। दूसरी ओर स्वयं अमेरिका समेत इन देशों में ही निर्दोष एवं मासूम अल्पसंख्यकों और विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं। इस वर्ष जनवरी से मार्च तक में ही अमेरिका में लगभग डेढ़ दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई थी। यही नहीं, अमेरिका के विभिन्न भागों में स्थित हिंदू मंदिरों पर भी हमले काफी बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि न्यूयॉर्क से लेकर कैलिफोर्निया तक अब तक अमेरिका में हिंदुओं एवं हिंदू मंदिरों पर कई हमले किए जा चुके हैं। इन हमलों से भारतीय-अमेरिकी समुदाय बेहद चिंतित, भयभीत और नाराज भी है। इसी वर्ष अप्रैल के आरंभिक सप्ताह में पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार और ऐमी बेरा ने डिपार्टमेंट ऑफजस्टिस को पत्र लिखकर मंदिरों पर हमलों को लेकर रिपोर्ट मांगी थी और साथ ही यह भी कहा था कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर होने वाले हमलों में हुई वृद्धि को लेकर डरे हुए हैं।

अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी हिंदुओं और उनके धार्मिक मंदिरों पर लगातार होते हमलों को लेकर इसी वर्ष अप्रैल के शुरूआत में अमेरिकी थिंक टैंक हडसन इंस्टीट्यूट ने अपनी एक रिपोर्ट 'पाकिस्तान डिस्टेबलाइज प्लेबुक-खालिस्तान सेपरेटिस्ट एक्टिविज्म विदिन अमेरिका' में कहा था कि अमेरिका में कई गुरुद्वारे अब चरमपंथ, उग्रवाद और हिंसा की जन्म-स्थली बन गए हैं। हडसन इंस्टीट्यूट के अनुसार खालिस्तान समर्थक चरमरंथी संगठन पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं और भारत कई बार खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई की मांग कर चुका है। इसलिए खालिस्तान से जुड़े संगठनों और उनके समर्थकों की सभी गतिविधियों की जांच होनी चाहिए। इसी वर्ष 28 जून को उत्तरी अमेरिकी हिंदुओं के गठबंधन 'सीओएचएनए' द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय हिंदू समर्थन दिवस' में हिंदू समुदाय के नेताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में प्रमुख अमेरिकी सांसदों ने अमेरिका में जारी हिंदूफोबिया के विरूद्ध भारतीय-अमेरिकी हिंदुओं के प्रति अपना समर्थन जताया था। बहरहाल, भारतीय-अमेरिकी हिंदू नागरिकों पर जब-तब होते रहने वाले नस्ली हमलों में लगातार होती वृद्धि चौंकाती भी है और भयभीत भी करती है, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में 'हिंदूफोबिया' के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं।

गौरतलब है कि हिंदूफोबिया का आशय हिंदुओं, उनकी संस्कृति तथा उनके धर्म के प्रति घृणा और अपमानजनक दृष्टिकोण तथा व्यवहार अपनाए जाने से है, जिसमें कमी आने के बजाए और वृद्धि ही होती जा रही है। दुर्भाग्य से अमेरिका की बाइडेन सरकार ने न तो अब तक भारतीय-अमेरिकी हिंदुओं की चिंताओं पर ध्यान दिया है और न ही उश्ररी अमेरिकी हिंदुओं के संगठन 'सीओएचएनए' के सुझावों पर। यहां तक कि उसने अमेरिका में जारी हिंदूफोबिया के विरूद्ध स्वदेशी थिंक टैंक हडसन इंस्टीट्यूट की बात भी अब तक नहीं मानी है। यही कारण है कि अब तक परिस्थितियों में कोई बदलाव नहीं आ सका है। इसलिए अमेरिका में जारी हिंदूफोबिया को लेकर अब अमेरिकी सरकार की मंशा पर संदेह उत्पन्न होना स्वाभाविक है।(इतिश्री)

अथ हिंदी दिवस कथा

कटाक्ष

नंद किशोर बर्वे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बड़े साहब को जैसे करंट लगा हो ऐसे वे चौंके। और इंटरकाम से अपने ऑफिस के 'ऑफिशियल लेंग्वेज ऑफिसर' या राजभाषा अधिकारी (याने हिन्दीजीवी) को बुलाया । उनके आते ही चेहरे पर रहस्यमयी मुस्कान लाकर बोले '' क्या करते रहते हो भई । मुझे अचानक याद आया कि तुम्हारा वो 'हिन्दी डे' आने वाला है । क्या कर रहे हो इस बार ? ''

'' जैसा आप कहें । हिन्दीजीवी ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर इतना ही कहना ठीक समझा।

'' अरे हम क्या कहें ओएलओ आप हैं , या हम? यू आर बीइंग पेड फॉर हिन्दी । बड़े साहब ने कहा । हिन्दीजीवी तड़प कर रह गये ।

'' जी सर ।

'' हिन्दी डे कैसे मनाना है? क्या क्या आयोजन करने हैं ? इसके लिये हम आज से आपको आथोराईज करते हैं । ज़रा कुछ धांसू तरीके से मनाओ तो मज़ा आये ।

'' जैसे आप चाहेंगे वैसे ही मनेगा सर ।'' हिन्दीजीवी ने अपना मातहतपन प्रदर्शित किया ।

'' अरे हाँ सुनो पिछली बार जिन साहित्यकार जी को मुख्य अतिथि के रुप में बुलाया था , उनको इस बार नहीं बुलाना है याद रहे । ''

''जी सर । '' हिन्दीजीवी को याद आया पिछले साल शहर के जिन प्रतिष्ठित साहित्यकार जी को बुलाया था, वे हिन्दी के नाम पर होने वाले ऐसे तमाशे के बिल्कुल खिलाफ थे, और वही बात उन्होंने अपने उद्बोधन में कह डाली थी । यहाँ तक तो फिर भी ठीक था उपर से यह भी हुआ कि , कार्यक्रम का जो फोटो अखबारों में छपा था उसमें बड़े साहब का फोटो उतना अच्छा नहीं आया था, जितना साहित्यकार जी का मुस्कुराता हुआ चेहरा । तभी से बड़े साहब उनसे इतने रुष्ट थे , कि विभागीय पत्रिका के लिये आग्रह पूर्वक उनसे मांगी हुई रचना भी सखेद वापस कर दी गई ।

''फिर किसे बुलाएं आप बतलाइये। हिन्दीजीवी बोले ।

''अरे यार हम न तो साहित्य के बारे में कुछ जानते हैं , न साहित्यकारों को । ऐसा करो चार छः साहित्यकारों को चाय पर बुला लो उनमें से मैं एक को छांट लूंगा ।

हिन्दीजीवी ने सिर पकड़ लिया । लेकिन बड़े साहब की नाराजी के वे भुक्तभोगी थे , इसलिये चुप ही रहे । बड़े साहब की प्रश्नवाचक आँखें उन्हीं पर टिकी थीं इसलिये बोले - '' सर साहित्यकार लोग निरुद्देश्य क्यों आयेंगे । वे नहीं आयेंगे । वो ठीक भी नहीं रहेगा सर । ''

'' फिर वो तुम मेनेज करो । और हाँ पिछले साल पचासों कारण गिनाकर वो क्या कहते हैं , काव्य गोष्ठी नहीं रखी थी , वो इस साल नहीं चलेगा। इस साल तो रखना ही है । तुम तो जानते ही हो मेडम भी कविताएं (?) लिखती हैं । पिछले एक साल से मैं किसी तरह उन्हें समझा रहा हूँ कि इस साल तो उनकी कविताएं सार्वजनिक करवा ही दूंगा । '' बड़े साहब ने अपनी घरेलू स्थिति बताई ।

'' सर वो.......। '' हिन्दीजीवी जानते थे कि मेडम कैसी कविताएं लिखती हैं ! क्योंकि बड़े साहब के आदेश पर मेडम की कविताएं सुनना और सराहना भी उनकी ड्यूटी में था ।

'' ये वो कुछ नहीं। काव्य गोष्ठी रखना है, मतलब रखना है । काव्य गोष्ठी नहीं तो हिन्दी डे भी नहीं । '' बड़े साहब ने निर्णायक स्वर में कहा ।

'' ठीक है सर । '' हिन्दीजीवी ने पहली बार सहमति व्यक्त की । हालाँकि उनके पास दूसरा कोई और चारा भी नहीं था ।'' देट्स लाईक ऐ गुड गाय । '' बड़े साहब के सर से हिन्दी डे सेलिब्रेशन का भार (?) तो उतरा ही उससे ज्यादा राहत उन्हें काव्य गोष्ठी रखे जाने से मिली।

'' तो तय रहा। सभी ऑफिसों में सर्कुलर भेज दो कि इस साल हिन्दी डे बड़े पैमाने पर पूरी धूमधाम से मनाया जायेगा । अरे हाँ डिनर भी तो रखेंगे ना । पिछले साल जैसा नहीं कि रूखा सूखा नाश्ता रख लो । '' बड़े साहब ने ठहाके के साथ कहा । होने को तो वे कुर्सी में धंसे थे , लेकिन श्रीमती के काव्य पाठ के आयोजन से उनका दिल बल्लियों उछल रहा था । हिन्दीजीवी आश्चर्य चकित थे कि बड़े साहब ऐसे आयोजनों को हमेश फिजूलखर्ची कहा करते थे । आज इन्हें ये क्या हो गया है ? खैर हिन्दीजावी इस बार बिल्कुल वैसा ही आयोजन कर रहे हैं जैसा बड़े साहब ने कहा है । तो फिर आप आ रहे हैं ना !

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

घड़ियाली आंसू से बाढ़ के हालात

– प्रीतम लखवाल

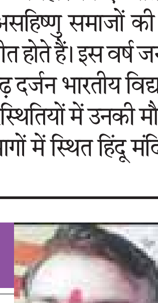

आंसुओं में बड़ी ताकत होती है। ये कठोर से कठोर दिल को भी मोम बना सकते हैं। पत्थर को भी पानी कर सकते हैं। वैसे इनकी ताकत का इस्तेमाल अभी तक हिंदुस्तानी इतिहास में स्त्रियां ही करती आई हैं। इन्हें ईश्वर ने आंसुओं की भरपूर खेप भी दी है। ये इनका इमोशनल वेपन्स होता है। आंसू पुरुष के हों, स्त्री के हों या फिर घड़ियाल के। आजकल घड़ियालों (वैसे इनका मगरमच्छ नाम भी प्रचलित है) ने भी रोना बंद कर दिया है। यह कार्य अब द्वि-पैरधारी करने लगे हैं। मगरमच्छ इसलिए भी अब आंसू नहीं निकालते कि उनके आंसुओं की उपमाएं दे-देकर इनका नाम खराब किया जा रहा है। इसलिए वे हताश भी हैं और बदनाम भी। वैसे तो आंसू तो आंसू ही होते हैं। सभी के आंसू में सोडियम की मात्रा होती है। किसी के आंसू में कम तो किसी के में ज्यादा। घड़ियाली आंसू ही हैं, जिनका इस्तेमाल आज एक-दूसरों पर आरोपों की मिसाइल की तरह होने लगा है। अगर वास्तव में किसी घटनाक्रम में कोई बहुत दुःखी होने का नाटक भर कर दे तो उसके लिए यह उपमा ऐसे उछाली जाती है, जैसे किसी ने नो बॉल पर सिक्स मार दिया हो। हद तो तब हो जाती है जब कोई रोता है और उसके आंसू दिखाई नहीं देते हैं। तो भी लोग मगरमच्छ को ही लानत भेजते हैं। पर जो दिखाई न दें वे भी तो आंसू होते हैं। इन अदृश्य आंसू को ही शायद हिंदी साहित्य में 'घड़ियाली आंसू' की संज्ञा से विभूषित किया गया है।

आजकल घड़ियाल भी नदी, तालाब, समंदर और गहरे पानी से निकलकर जमीन पर अपनी 'जमीन' तलाश रहे हैं। फिर चाहे वह जमीन राजनैतिक हो या फिर सरकारी। नेता हों, अभिनेता हों या अभिनेत्री हों। इनके शरीर में घड़ियालों की आत्माएं वास करने लगी हैं क्योंकि, जमीनों पर तो बाहुबलियों का कब्जा हो गया है। जहां किसी का हाथ तो क्या? पांव भी नहीं पहुंच सकता। वहां घड़ियालों का पहुंचना इतना आसान कैसे हो सकता है? अभी यही मंथन चल रहा है। आज लोगों को नेता, अभिनेता और आदि-आदि के आंसू दिखाई दे रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि घड़ियालों के आंसू से देश में बाढ़ के हालात हैं। लाखों लाख लोग भावनाओं की बाढ़ में बह गए हैं और उनकी आत्मा की शिनाख्त तक नहीं हो पा रही है। शरीर तो जड़ हो गया है। दिमाग पथरा गया है। सोचने-समझने की शक्ति का राजनैतिक अपहरण हो गया है। नोटबंदी हो, चुनाव में हार सुनिश्चित हो, कहीं सत्ता जाती दिख रही हो, लोगों में आक्रोश हो, किसान आत्महत्या कर रहे हों, युवा डिप्रेशन में हों, जनता पर महंगाई तांडव कर रही हो। इन सबका समाधान बस घड़ियाली आंसू के सैलाब से ही आज संभव है।

देश में कहीं महापुरुष की मूर्ति भ्रष्टाचार का बोझ सह नहीं पाए तो वह भरभराकर जमीन पर अपना अस्तित्व पंचतत्व में विलीन करने पर जब मजबूर हो जाती है तो जनता आंदोलित हो जाती है। उनके गुस्से की आग में वोटों का जंगल धू-धू कर रहा हो तो इन्हीं घड़ियाली आंसुओं से उसे सींचकर आग के ताप को ठंडाकर भावनाओं का विसर्जन कर दिया जाता है। इन सब में उन ओरिजनल घड़ियालों का कहीं से कहीं तक कोई लेना-देना नहीं है। क्योंकि, वे तो पानी में रहते हैं। शायद इसीलिए उनके आंसू दिखाई नहीं देते और नकली घड़ियाल अपने कथित आंसुओं से अपने हित की फसल को सींचकर अपनी आय दुगनी करने में मस्त हैं। हालात यह है कि घड़ियाल एक बार फिर रेंगते हुए पानी में कूद गया

और प्रशासन ने किसी बांध के सभी गेट खोल दिए। घड़ियाली आंसू मिला पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। जिसमें कई सपनों के महल, आशाओं के घर, बजुर्गों के चिंतन के लिए बने चौबारे और महिलाओं के पनघट, जहां घर से लेकर देश-दुनिया का विमर्श होता है, बह रहा है और नामधारी घड़ियाल है कि आज भी रोने से बाज नहीं आ रहे हैं और कह रहे हैं कि सावधान! देश के कुछ हिस्सों में चुनाव हैं।

सामयिक

सुसंस्कृति परिहार
लेखक योग-ध्यान प्रशिक्षक हैं।

हिंदुस्तान के नेता और अमेरिका के नेताओं में फ़र्क

आपको याद होगा एक बार राहुल गांधी ने संसद में सभी मनोमालिन्य और कलुष दूर करने पीएम के पास जाकर गले लगाने की चेष्टा की थी जिसे बदमिजाज स्वंभू ने यह कहा कि राहुल मुझे उठाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना चाह रहे थे। वो खड़े नहीं हुए इस घटना को मज़ाक बनाया गया। यह मज़ाक केवल पीएम ने नहीं बनाया बल्कि मोदी मीडिया ने भी भरपूर खिल्ली उड़ाई जबकि यह संसदीय परम्परा का एक गरिमामय आचरण था। इसीलिए वे राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता की बात कह रहे हैं। क्योंकि राजनीति में दुश्वारियां दुनिया के कई देशों में भी बढ़ती जा रही है इसलिए इसे कहना टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच उचित ही है ताकि युवा पीढ़ी राजनीति को भली-भांति सम्मान और उसे गरिमा प्रदान करें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के तीन दिनों के इस दौरे के पहले दिन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में अपने संबोधन के दौरान नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों और भविष्य की योजनाओं पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मेरी भूमिका भारतीय राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता के मूल्यों को बढ़ाना है। मुझे लगता है कि ये भाव मौजूदा समय में हमारी राजनीतिक प्रणाली से गायब है। ये बात लगभग उसी अंदाज़ में राहुल ने की जिस अंदाज़ में महात्मा गांधी विश्व को शांति और अहिंसा का संदेश देते रहे हैं। यह सच है भारतीय लोकतंत्र में जिस तरह विपक्ष को नेस्तनाबूद करने के दुष्चक्र और हथकंडे अपनाए गए। सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग हुआ। सदन से ना केवल राहुल की सदस्यता ख़त्म की गई वरना 140 सम्मानीय सांसदों को भी निलम्बित किया गया। देश के दो मुख्यमंत्रियों को बिना अपराध सिद्ध किए चुनाव के दौरान जेल में जबरिया डाला गया। बहुमत का नाजायज़ इस्तेमाल किया गया। मनमाने विधेयक पास हुए। सांसद राहुल के साथ तो ऐसा व्यवहार किया गया जो अक्षम्य हैं किंतु राहुल महात्मा गांधी का अनुसरण करते हुए ना तो कभी क्रोधित हुए ना ही किसी को अपशब्द कहे। उनकी इस अदा ने एक सदा को जन्म दिया यह देश में ही नहीं बल्कि दुनिया में मोहब्बत की नई इबादत लिख गया।

आपको याद होगा एक बार राहुल गांधी ने संसद में सभी मनोमालिन्य और कलुष दूर करने पीएम के पास जाकर गले लगाने की चेष्टा की थी जिसे बदमिजाज स्वंभू ने यह कहा कि राहुल मुझे उठाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना चाह रहे थे। वो खड़े नहीं हुए इस घटना को मज़ाक बनाया गया। यह मज़ाक केवल पीएम ने नहीं बनाया बल्कि मोदी मीडिया ने भी भरपूर खिल्ली उड़ाई जबकि यह संसदीय परम्परा का एक गरिमामय आचरण था। इसीलिए वे राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता की बात कह रहे हैं। क्योंकि राजनीति में दुश्वारियां दुनिया के कई देशों में भी बढ़ती जा रही है इसलिए इसे कहना टेक्सास विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच उचित ही है ताकि युवा पीढ़ी राजनीति को भली-भांति सम्मान और उसे गरिमा प्रदान करें।

यात्रा के दौरान विश्व बाजार वाद को बढ़ाने वालों पर खुलकर कटाक्ष भी किए, कथित भूमंडलीकरण ने संपूर्ण दुनिया में एक शोषण का जाल बुना हुआ है। भारत भी मनमोहन जी के काल से इस दुष्चक्र में फंसा जिसे वर्तमान प्रधानमंत्री ने चरम पर पहुंचाया। उन्होंने चीन को भारत का सबसे बड़ा बाजार सौंप दिया। छोटी छोटी उपभोक्ता चीजों से लेकर हर तरह की सामग्री और विनिर्माण में चीन की मौजूदगी ने देश के उद्यमियों को ना केवल क्षति पहुंचाई बल्कि उनके रोजगार छीन लिए। यह बहुत नुकसानदायक साबित हुआ। उन्होंने आव्हान किया कि इस मुद्दे पर बढ़ती बेरोजगारी झेल रहे देशों को विमर्श की आवश्यकता है। दुनिया के तमाम बाजारों को समाप्त कर कारपोरेट के हाथ सौंपना दुनिया की जनता के शोषण को पुष्ट करता है इस तरफ ध्यान देना और नई नीतियों को बनाना उचित होगा।

उन्होंने बीजेपी सरकार की वैचारिक पृष्ठभूमि पर भी प्रहार कर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, 'आरएसएस का मानना है कि भारत एक विचार है और हमारा मानना है कि भारत में विचारों की बहुलता है। हमारा मानना है कि इसमें सभी को शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए, सपने देखने की अनुमति दी जानी चाहिए और उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या इतिहास की परवाह किए बिना उन्हें जगह दी जानी चाहिए।' ये बात भी सिर्फ संघ के लिए नहीं है बल्कि विश्व पटल पर पनप रही तानाशाह वृत्ति वाले देशों के लिए भी है जो एक विशेष कौम, धर्म और उनके घर्मावलंबियों की तरक्की हेतु संकीर्ण मानसिकता रखते हैं। दुनिया के प्रायः सभी देशों में हर कौम और धर्म के मानने वाले लोग हैं तब इस तरह की सोच अन्याय की परिधि भी आएगी।

उन्होंने एक और महत्वपूर्ण बात कही जो उनके एक जिम्मेदार राजनैतिक नायक बनने की पुष्टि करते हैं। उनका ख्याल है कि एक राजनैतिक , देशप्रेमी और जनप्रिय व्यक्ति का अपने निज का आईडिया ख़त्म कर लोगों के बारे में सोचना ही देवता होना होता है। भगवान राम, बुद्ध और महात्मा ऐसे ही लीडर्स थे। यही हिंदुस्तान के नेता और अमेरिका के नेताओं में फ़र्क है। उनके तमाम विचार इस बार एक उन्हें जगनायकत्व के करीब पहुंचाते नज़र आते हैं।उनकी ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा से जो गरल निकला उसका आचमन करते हुए वे जन जन के बहुत करीब पहुंचे हैं इसलिए उनके लिए वे सदैव प्रतिबद्ध नज़र आते हैं। यही वजह है कि सदन में जब से वे प्रतिपक्ष नेता बने हैं उन्होंने कई महत्वपूर्ण विधेयकों को वापिस लेने मज़बूर किया है। ख़ौफ़ का जो आलम था वह लगभग ख़त्म हुआ है। डरो मत कारगर हुआ।अब स्थितियां उलट गई है पीएम जब राहुल बोलने वाले होते हैं या तो उठकर भाग जाते हैं या आते ही नहीं है।

यह सब करिश्मा राहुल गांधी के सुदृढ़ व्यक्तित्व से संभव हुआ है उन्हें विरासत में जो देश मिला उसको चलाने वाले फासिस्टवादी थे जिन्होंने एक विकसित होते भारत को धर्मांधता और हिंदुत्व के रथ पर आरुढ़ किया और दिल से लूटा।देश के महत्वपूर्ण संस्थानों को कारपोरेट को बेचा। शिक्षा, स्वास्थ्य और रक्षा व्यवस्था को पंगु बनाया। करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन, किसानों और बहनों को अल्प राशि देकर फुसलाया तथा हर मोड़ पर देशवासियों को लूटा देश का अपार धन पूंजीपतियों के हवाले कर दिया। जो काम हुए उनकी पोल बरसात ने खोल दी। नौकरियों और परीक्षाओं में फर्जीवाड़ा से बेरोजगारी चरम पर पहुंची। कारपोरेट के हाथ में बाजार जाने से मंहगाई बढ़ी।

ऐसी स्थितियों में राहुल गांधी की सजगता और सादगी ने तथा सबसे बड़ी निर्भीकता के जज़्बे ने उन्हें अपार लोकप्रियता से नवाजा।यह सच है कि यदि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता से काम किया होता तो मोदीजी का मैदान साफ़ हो गया होता। लेकिन जनमत ने जितना भी मत इंडिया गठबंधन को दिया उसकी बदौलत ही जन जन की आवाज़ संसद के गलियारों में गूंजने लगी है। यह विजय कम नहीं।

इन तमाम घटनाओं से बार बार महात्मा गांधी याद आते हैं राहुल ने गांधी के संघर्ष का पथ चुना है वे पिछले कांग्रेसियों से बिल्कुल अलहदा हैं और सिर्फ जनहित के लिए ही काम करते हैं जो लोग पिछली कांग्रेस की नज़र से उन्हें देखते हैं वह भी बदल रही है संघ और स्मृति ईरानी ने उन्हें बखूबी पहचान लिया है इसलिए भाजपा से दूरी बढ़ रही है। उनके अमरीका प्रवास के दौरान दिए वक्तव्यों और मिले भरपूर सम्मान से यह जाहिर होता है कि उनकी सोच व्यापक है और वे दुनियां के ख़तरों के प्रति सतर्क है और उनके मामले में प्रतिपक्ष नेता यानि शेडो प्रधानमंत्री की तरह ही देश दुनिया की ख़बर रखते हैं। यकीनन उनकी ये विशेषताएं उन्हें एक दिन देश का उत्तरदायित्व सौंपने की काबिलियत की ओर इशारा करती है देश दुनिया की चिंता और उनकी पहल उन्हें जगनायक बना दे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

दृष्टिकोण

जवाहर चौधरी
लेखक स्तंभकार हैं।

हेट मैसेज और वीडियो का दूषित खेल

कहते हैं नजर बदलो नजारे बदल जाएंगे। लोकतंत्र में राजनीति की सारी कवायत नजर बदलने की है। घर-घर जनसंपर्क और भाषणों से शुरू हुई कोशिश अब सोशल मीडिया पर आकर टिक गई है। पिछले कुछ चुनावों में मोबाइल फोन पर उपलब्ध मैसेज सुविधा का भरपूर उपयोग हुआ है। आज भी लगभग सारे संवाद फोन-मैसेज से ही हो रहे हैं। इतना ज्ञान बांटा जा रहा है कि अब फोन ऐप को 'यूनिवर्सिटी' तक कहा जाने लगा है। सुबह से गुड मॉर्निंग के मैसेज के साथ शुरू होने वाला संवाद रात को गुड नाइट तक सतत चलता रहता है। धार्मिक मसले हों या सेहत के, अपराध की घटनाएं हों या राजनीतिक हलचल, सुबह से ही ले-दे शुरू हो जाती है। खासकर धार्मिक और राजनीतिक टिप्पणियों पर लोग ज्यादा लगे रहते हैं। राजनीति में सक्रिय लोगों के पास लगता है एक ही काम है, जागो जनता जागो। पता नहीं उन्हें क्यों लगता है कि जनता सोई हुई है।

आजादी के बाद बढ़ी शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रगतिशील सोच ने लोगों में एक नई मानसिकता विकसित की है। लोग धार्मिक आडंबरों और मिथ्यावाद की जकड़ से मुक्त हुए। देश की जनता राजनीतिक रूप से भी परिपक्व हुई । यह बात अनेक चुनावो में जनता ने सिद्ध की है। एक चेतना संपन्न पीढ़ी सामने आई जिसके पास अपनी सोच और समझ थी। औद्योगिक तरक्की, नए आविष्कार, वैज्ञानिक सोच और तकनीकी गतिशीलता ने लोगों को सोच के स्तर पर भी स्वावलंबी बनाया। सामंतवादी संस्कारों के कारण जो समाज हर बात को स्वीकार करने के लिए अभिशप्त था उसमें नकारने की शक्ति आई। राजनीतिक दलों के लिए स्वतंत्र सोच की जनता अनुकूल नहीं थी। उनके लिए जरूरी था कि धार्मिक सामाजिक स्तर पर कोई भय पैदा करके जनता को अपनी विचारधारा के पक्ष में किया जाए। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का उपयोग इसके लिए खूब किया जाता है। अब तो ए-आई के जरिए भी दूषित फोटो और वीडियो बनाए जाते हैं। भारत ही नहीं अमेरिका में चल रहे चुनाव में भी फेक फोटो और वीडियो खूब चलन में है। लगता है देश में फेक और हेट मैसेज और वीडियो की फैक्ट्री खुल गई है। यह चिंता की बात है कि इतने बड़े पैमाने पर फोटो और वीडियो का निर्माण कहां हो रहा है। सहज मानवीय प्रवृत्ति के कारण लोग सनसनी वाले मैसेज फौरन एक दूसरे को भेज देते हैं। इस तरह देश और समाज के लिए घातक मैसेज चंद मिनट में पूरे देश में फैल जाता है। राष्ट्रीय और आंतरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बात की जांच की जाना चाहिए।

इस बात पर भी विचार करने की जरूरत है कि इन संदेशों से भ्रमित कमजोर मनोबल वाली जनता देश हित में है या नहीं। भारत धार्मिक बहुलता वाला देश है । कोई भी धर्म दूसरे धर्म के लोगों से नफरत करना नहीं सिखाता है। हमारे संतों और राष्ट्रीय नेताओं का प्रयास रहा है की सभी के बीच एक सामंजस्य और विश्वास पैदा हो। वे एक दूसरे के साथ मिलजुल कर रह सकें और एक दूसरे के धर्म का आदर भी कर सकें। एक दूसरे से नफ़रत, अविश्वास और डर के साथ रहने वाली कौमें किसी भी समाज की स्थिरता के लिए अच्छी नहीं समझी जाएंगी। लोगों को यह समझाना होगा कि वे जाने अनजाने समाज में भय का वातावरण बनाने में सहयोग कर रहे हैं। ऐसा कोई समाज नहीं है जिसमें केवल बुरे लोग हैं या केवल अच्छे लोग हैं। सब में कुछ अच्छा या बुरा होता है। आत्मावलोकन करके देखें हममें भी कुछ बुरा और कुछ अच्छा है।

सकारात्मक दृष्टिकोण से ही हम बुराइयों को दूर कर सकते हैं। बुराई को बुराई से दूर नहीं किया जा सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रायः लोगों को टूल बनाया जाता है। एक डरा हुआ मस्तिष्क रचनात्मक नहीं हो सकता। यदि किसी समाज में अधिकांश लोग डरे हुए होंगे तो धीरे-धीरे उनका विकास अवरुद्ध हो जाएगा। जनता तक इस बात को पहुंचना चाहिए। हेट मैसेज को अपने स्तर पर ही समाप्त कर वे राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान कर सकते हैं। यदि हम नफरत का मैसेज फॉरवर्ड करते हैं तो अनजाने में बनाने वालों की मंशा के अनुरूप काम करने लगते हैं। इससे बचने का अच्छा और पहला कदम तो यही है कि हम ऐसे ग्रुप से अपने को अलग करें जो नफरत के मैसेज फैलाने में सक्रिय हैं। ऐसा करते हुए हम अपनी सदइच्छा और समझ को भी प्रमाणित करेंगे।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी

कैलाश चन्द काण्डपाल
लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन झारखंड के राज्य प्रमुख हैं।

आभासी दुनिया का विस्तार और मानव का उसमें खो जाना

सूचना और संचार क्रांति आज के समय में एक अपरिमित वेग के साथ आगे बढ़ रही है। पिछले लगभग तीन दशक में इसकी गति अकल्पनीय रही है। टू जी से लेकर 6 जी के सफर में सबकुछ अप्रत्याशित रूप से बदल गया है और बदलता ही जा रहा है। आज के परिप्रेक्ष्य में यह यह क्रांति लगभग सभी लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गई है। इसने कब, कैसे हमारे जीवन इस कदर पैठ बना दी है कि इसके एक पल भी पास नहीं होने से एक रिक्तता की अनुभूति होने लगती है। जिस बात ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है वह है इसकी आभासी दुनिया का विस्तार और मानव का उसमें खो सा जाना। इसकी गति अभी रूकी नहीं है। अभी आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस का समग्र रूप में आना बाकी हैं जिसमें मानव जीवन को प्रभावित करने की असीम संभावनायें विद्यमान हैं।

आज से तीन दशक पहले यह लगभग स्वप्न सा था कि एक अदना सा यंत्र हमारे पास हर पल रहने लगेगा और हमारी जिन्दगी पर इस कदर छा जायेगा कि इसके न होने के बिना हमें ऐसा लगने लगेगा जैसे कि हम दुनिया से कट से गये हैं और कुछ समय के लिये वीरानी सी छा जायेगी। हमारे पास आज ऐसे कई परिदृश्य हैं कि लोग अपने आप में सिमटे हुए से दिखते हैं वह रेल या बस में सफर करते अपरिचित लोग हों या डाईनिंग टेबल में बैठे एक ही परिवार के लोग। ये लोग अपने आप में सिमटे से दिखते हैं लेकिन दरअसल ये सूचना और संचार के वृहत संसार से जुड़े रहते हैं। इससे जुड़े लांगों के पास यह एक दोस्त, दार्शनिक और पथ प्रदर्शक के रूप में हर पल उनके साथ होता है, जिसकी विस्तृत चर्चा हम बाद में करेंगे।

विज्ञान के आविष्कार और उससे उपजी क्रांतियों की तरह इस क्रांति के पक्ष या विरोध में हम इसकी विवेचना कर सकते हैं लेकिन दरअसल सूचना और संसार की क्रान्ति उससे कुछ आगे निकल चुकी है, जैसे कि इसके विरोध का एक तर्क कि इससे सामाजिक रिश्ते कमजोर हो रहे हैं तो इसी के सापेक्ष सोशल मीडिया में उपलब्ध सुविधाओं से यह उन रिश्तों को और मजबूत करता दिखता है। यह ईश्वर के विश्वरूप की तरह यह अपरिमेय होता जा रहा है कि यह सब में है और सबकुछ इसमें है। इसके रूपों में रक्षक व भक्षक दोनों हैं। इसका आवेग भी बहुत तीव्र है जिसके कारण एक सैलाब की तरह इसमें आज का समाज बहा सा जाता सा प्रतीत हो रहा हैं।

इसकी चर्चा में यदि हम इसे हमारे जीवन के तीन प्रमुख पहलूओं यथा दोस्त, दार्शनिक व मार्गदर्शक के रूप में इसकी विवेचना करें तो पायेंगे कि इसमें वे सारे गुण विद्यमान हैं। ये तीनों पहलू एक दूसरे से जुड़े हैं फिर भी इसे बेहतर समझने के लिये हम इसकी अलग-अलग विवेचना करने का प्रयास करेंगे।

दोस्त शब्द का मन में ख्याल आते ही हमें ऐसे व्यक्ति का विचार हो जो हमारे मनोभावों का भली भांति समझता हो, जिसका साथ हमें एकाकीपन से मुक्त करता हो और साथ ही जो विभिन्न परिस्थितियों में हमें मदद या संबल दे सके। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का इस कसौटी पर फिट बैठती दिखती है। इसने व्यक्ति के एकाकीपन को तोड़ा है और उसे अपने मनोभावों के अनरूप अपनी प्राथमिकताओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहने का मौका दिया है। आप इस पर यह इल्जाम भी नहीं लगा सकते कि इसने वास्तविक जीवन के दोस्तों से दूर किया है क्योंकि इसकी आभासी दुनिया में यह भी संभव है कि आप अपने वास्तविक जीवन के दोस्तों के करीब बने रहे। एक बात और है कि इसकी दोस्ती का विस्तार आपके व्यक्तिगत जीवन से लेकर आपके व्यावसायिक जीवन तक में हो सकता है।

वास्तविक जीवन में दोस्तों का प्रभाव उनकी संगति की परिणति अच्छाई और बुराई दोनों में हो सकती हैं जो कि इस बात से तय होती हैं कि आपकी दोस्ती किस तरह के लोगों से है। सूचना और संचार की आभासी दुनिया भी इससे अलग नहीं है और इसके पास भी अच्छे और बुरी संगति के सारे गुण विद्यमान है। आर्टिफिशियल इंटेलीजैंस के आने के उपरान्त यह एक कदम आगे बढ़ चुका है जहां यह एक दोस्त की तरह आपसे आपकी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार आपके सामने प्रस्तुत होने लगता है। इस तरह इसमें आपके दिलो दिमाग पर छा जाने की पूरी काबिलियत है। अब इसके दूसरे पहलू यानि दार्शनिक होने पर चिन्तन करें। मोबाइल की आभासी दुनिया आपके सामने अलग-अलग तरह के दर्शन प्रस्तुत करती है। यह नामुमकिन है कि आपके मनोभावों के मुताबिक दर्शन इसके पास न हो। आप इसके दर्शन में उतरते चले जाते हैं और यह पाने लगते हैं कि आपके विचार अब आपके नहीं रहे बल्कि इसके द्वारा दिये जाने वाले दर्शन से प्रभावित होने लगे हैं। इसके दर्शन का परिप्रेक्ष्य विशाल है जो कि जीवन जीने की कला से लेकर सम-सामायिक मुद्दे यानि राजनीति और सत्ता आदि में आपके विचार बनाने में आपकी मदद करता है। आज के दौर में आ गये पोस्ट ट्रुथ और दैनन्दिन झूठ की परम्परा के आगमन से इसकी आभासी दुनिया एक जंजाल भी बना रही है जिसमें सामान्य जन के सत्य से दूर होने की पूरी संभावना है। एक बहुत ही दिलचस्प बात यह भी है कि सत्य को समझने का रास्ता भी यही सूचना और संचार प्रौद्योगिकी दिखा सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इससे दर्शन प्राप्त करने वाला व्यक्ति स्वयं में कितना जागरूक है।

तीसरा पहलू मार्गदर्शक होने का है। चूंकि इसमें दार्शनिकता के विभिन्न पहलू हैं इसलिये यह मार्गदर्शक भी है। इसने पूरी दुनिया का संकुचन सा करके सभी लोगों को एक प्लेटफार्म पर ला दिया है जिससे आपके मन के हर प्रकार के अनुत्तरित प्रश्नों के उत्तर देने की प्रबल क्षमता इसमें मौजूद है। यह आपको आपके हमदर्द लोगों से भी जोड़ सकती है जिससे आपके अनुभवों में उनके अनुभवों का समावेश कर लेते हैं और अपने रास्ते पर आगे बढ़ने की लिये प्रेरित हो सकते हैं। मार्गदर्शन प्राप्त करने में भी यह बात लागू होती है कि आप कैसे विकल्प चुनते हैं।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की आभासी दुनिया के प्रवाह की आने वाले समय में और बढ़ने की पूरी संभावना है और इससे उपजे कुछ समस्याएं यथा साइबर अपराध और समाज में पड़ने वाले कुछ नकारात्मक प्रभाव शोचनीय विषय हैं। जरूरत है कि मानव अपनी समझ से इसे नियंत्रित करने का प्रयास करे। हम जानते है कि मानव मस्तिष्क की क्षमता असीम है और इस आभासी दुनिया की उत्पत्ति और विकास के पीछे भी मानव मस्तिष्क ही है। यह संभव ही नहीं कि किसी भी प्रकार की प्रौद्योगिकी मानव मस्तिष्क को पछाड़ कर आगे बढ़ जाय और मानव के नियंत्रण से बाहर निकल जाय।

मानव के विकास के विभिन्न पायदानों पर ऐसे दौर आये हैं जब अलग-अलग तरह की क्रांति के कारण उत्पन्न प्रतिमानों ने उसे प्रभावित किया है। यह एक सत्य है कि इस तरह की किसी भी क्रांति की पराकाष्ठा में मानव ने उससे संघर्ष करके अपने लिये हल निकाले हैं और उस ही से अपनी सभ्यता के विकास के लिये नये प्रतिमान गढ़े हैं। औद्योगिक क्रांति के दौर में उपजे पूंजीवाद की पराकाष्ठा से आज के नव उदारवाद तक का सफर या हरित क्रान्ति की पराकाष्ठा के बाद जैविक खेती के प्रति विकसित होते हुए प्रयास व संकल्प, यह सब इस बात को सिद्ध करते हैं कि मानव मस्तिष्क सदैव गतिमान रहता है और मानव समाज के विकास और बेहतरी के लिये प्रयासरत रहता है। किसी स्थिति विशेष में ऐसा प्रतीत हो सकता है कि कोई संकल्पना इसके नियंत्रण से बाहर जा रही है लेकिन अतंतः वह उस पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर ही लेता है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के वर्तमान असीम प्रवाह में आज कई तरह के प्रश्न खड़े होने लगे हैं जिसके कारण सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक पहलुओं पर इसके प्रभाव की सकारात्मक व नकारात्मक विवेचनायें की जा रही हैं। ऐसी परिस्थिति में हमें किसी प्रकार की नकारात्मकता में पड़ने के बजाय इस विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा कि मानव मस्तिष्क मानव समाज के विकास के लिये इसका एक सकारात्मक रूप पैदा करेगा और आने वाला समय में इस सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के सहयोग से एक बेहतर विश्व का निर्माण करेगा।

बैतूल और आठनेर में पार्षद पद के उपचुनाव में शांतिपूर्ण तरीके से हुआ मतदान

भाजपा-कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर

बैतूल। बैतूल- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि उप निर्वाचन 2024 के अनुक्रम में बुधवार को नगरीय निकायों एवं पंचायतों में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुआ। नगरीय निकायों की मतगणना और परिणामों की घोषणा 13 सितंबर 2024 को की जाएगी। जिले में नगर पालिका परिषद बैतूल के वार्ड क्रमांक-छह तथा नगर परिषद आठनेर के वार्ड क्रमांक-10 के लिए बुधवार सुबह सात बजे से मतदान प्रारंभ हुआ है। बैतूल में मतदान धीमी गति से शुरू हुआ, जबकि आठनेर में मतदाताओं में मतदान करने के लिए खासा उत्साह बना हुआ है। निकाय के वार्ड पार्षद पद के लिए होने वाले चुनाव की मतगणना 13 सितंबर को प्रातः नौ बजे से होगी। नगरपालिका परिषद बैतूल के गांधी वार्ड क्रमांक छह में दोपहर 12 बजे तक 34 फीसद से अधिक मतदान हो चुका था जबकि आठनेर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 10 में दोपहर 12 बजे तक 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मतदान कर दिया है। नपा बैतूल के वार्ड क्रमांक 6 में भाजपा प्रत्याशी वरूण धोटे व कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शर्मा के अलावा निर्दलीय सोनू चुनाव मैदान में हैं। आठनेर के वार्ड क्रमांक 10 में भाजपा के मनोज तुमाने व कांग्रेस की किरण सावरकर के बीच टक्कर है। नगर पालिका बैतूल के वार्ड क्रमांक छह कुल 2406 मतदाता हैं जिसमें पुरुष 1220 एवं 1186 महिला मतदाता शामिल हैं। इस वार्ड नंबर-6 में पार्षद पद के निर्वाचन में कुल मतदाता 2406 में से 1 हजार 631 मतदाताओं ने मतदान किया। यहां 67.78 प्रतिशत मतदान हुआ।

जबकि आठनेर के वार्ड क्रमांक 10 में कुल 531 मतदाता हैं जिसमें 264 पुरुष व 257 महिला मतदाता शामिल हैं। यहां 69 प्रतिशत मतदान हुआ। बैतूल के वार्ड नंबर-6 तथा आठनेर के वार्ड नंबर-10 के लिए हुए मतों की गणना 13 सितंबर 2024 को प्रातः 9 बजे से की जाएगी। बैतूल की मतगणना शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला गंज बैतूल तथा आठनेर की मतगणना सामुदायिक मंगल भवन (शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय) आठनेर में होगी।

ग्रामीण क्षेत्र में सरपंच एवं पंच पद के लिए भी हुआ मतदान

घोड़ाडोंगरी जनपद पंचायत के अंतर्गत पंचायत अनकावाड़ी के सरपंच एवं विभिन्न पंचायतों के 11 पंच पद के लिए भी मतदान हुआ। जिसमें मतदान का प्रतिशत 79 प्रतिशत रहा। इसी तरह शाहपुर जनपद पंचायत में देशावाड़ी पंचायत अंतर्गत एक पंच के लिए निर्वाचन हुआ, जिसमें 83 प्रतिशत मतदान हुआ।

सभी 12 पंचों की मतगणना भी मतदान केन्द्रों पर संपन्न हुई। इसके अलावा सरपंच पद की मतगणना 15 सितंबर को की जाएगी। जनपद पंचायत शाहपुर की ग्राम पंचायत देशावाड़ी के एक पंच तथा जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी की ग्राम पंचायत अनकावाड़ी के सरपंच पद के निर्वाचन तथा 11 पंचों के निर्वाचन के लिए मतदान हो रहा है। पंच का निर्वाचन मतपत्र से तथा सरपंच का निर्वाचन ईवीएम से हो रहा है। पंच पद के मतों की गणना मतदान के बाद अपरान्ह तीन बजे के पश्चात संबंधित मतदान केन्द्र पर की जाएगी तथा सरपंच की मतगणना 15 सितंबर 2024 को शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल घोड़ाडोंगरी में सुबह आठ बजे से की जाएगी। मतदान के दौरान सतत निगरानी तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराए जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जोनल ऑफिसर एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

14 महीने से अटका गेहूं का भुगतान, किसानों ने मंडी प्रांगण में किया जोरदार प्रदर्शन

हरी ट्रेडिंग पर आरोप: 26 लाख रुपये से अधिक का भुगतान बकाया, संपत्ति कुर्की की मांग

बैतूल। पिछले 14 महीनों से मंडी में बेची गई गेहूं की फसल का भुगतान न मिलने से नाराज किसानों ने भारतीय किसान एवं मजदूर सेना मप्र. के बैनर तले आज बैतूल मंडी कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी किसानों ने... मंडी प्रशासन होश में आओ! किसानों का भुगतान मंडी निधि से करो! ..दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करो!.. जैसे नारे लगाए और भुगतान में देरी के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। आंदोलन की अगुवाई कर रहे आयुष साहू ने बताया कि किसानों द्वारा पिछले साल बेची गई गेहूं की फसल का भुगतान अभी तक लंबित है। लगभग 14 महीनों से किसान भुगतान के इंतजार में परेशान हैं, जबकि मंडी समिति की जिम्मेदारी है कि वह किसानों को जल्द से जल्द उनका हक दिलाए।

कर्ज से दबे किसान बोले नीलामी नहीं होने देंगे!

किसानों ने मंडी प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक उनका पूरा भुगतान नहीं हो जाता, तब तक वे मंडी परिसर में किसी भी तरह की नीलामी को होने नहीं देंगे। उनका कहना है कि कर्ज की वजह से उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो चुकी है और अब वे और इंतजार नहीं कर सकते। प्रदर्शन में विनोद, महेश माया राठौर, धनराज, अजय गंगारे, कैलाश, विजेंद्र, विकास सहित सैकड़ों किसान शामिल रहे। किसानों ने कहा कि अगर जल्द ही उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वे इस आंदोलन को और तेज करेंगे।

हरी ट्रेडिंग पर गंभीर आरोप

किसानों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि हरी ट्रेडिंग द्वारा 1100 क्विंटल गेहूं की खरीदी की गई, लेकिन अब तक उसका कोई भुगतान नहीं किया गया है। किसानों का कहना है कि हरि ट्रेडिंग के मालिक ने बार-बार उन्हें टालते हुए कहा कि कल भुगतान मिलेगा, लेकिन आज तक उनके खाते में एक भी रुपया नहीं आया। किसानों ने मांग की है कि हरी ट्रेडिंग की चल-अचल संपत्ति को कुर्क कर तुरंत नीलाम किया जाए, ताकि हमें हमारा बकाया मिल सके।

सारनी में अवैध गुटखा पर प्रशासन का बड़ा एक्शन

● पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में एक संयुक्त टीम ने कई जगह मारा छापा

बैतूल। अवैध गुटखा की बिक्री को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से किए गए खुलासे के बाद प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई की। पिछले कुछ दिनों से सारनी नगर पालिका क्षेत्र में चल रही सील ठप्पा गुटखा बिक्री की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, बैतूल जिले के कोटपा नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति सूर्यवंशी, खाद्य अधिकारी संदीप पाटिल और ड्रग इंस्पेक्टर डॉ. जॉन प्रवीण कुजूर के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में एक संयुक्त टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी की। प्रशासन ने इस छापेमारी में गुटखा की भारी मात्रा में सामग्री जब्त की, जो अवैध रूप से बेची जा रही थी। कार्रवाई के दौरान कोटपा एक्ट के तहत कड़ी सख्ती दिखाई गई और गुटखा संचालकों को चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा से अवैध बिक्री होती पाई गई, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आम आदमी पार्टी की कड़ी आपत्ति के बाद कार्रवाई

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी ने इस गंभीर मुद्दे को जनहित में उठाया था। उन्होंने सारणी सहित प्रदेशभर में अवैध गुटखा बिक्री से होने वाले स्वास्थ्य खतरों पर जोर देते हुए, प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की थी। अजय सोनी के अनुसार, अवैध गुटखा की बिक्री से मुंह के कैंसर जैसी घातक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इस मुद्दे को प्रमुख समाचार पत्रों में उठाने के बाद प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की, जिससे शहर के गुटखा माफिया में खलबली मच गई। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शहर के पान ठेले और गुटखा बिक्री से जुड़े अन्य लोग चौकन्ने हो गए हैं। उन्हें सख्त चेतावनी दी गई है कि अगर वे अवैध रूप से गुटखा बेचते पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बेहद अहम रही प्रदेश संयुक्त सचिव की भूमिका

इस पूरे प्रकरण में, आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी की भूमिका बेहद अहम रही है, जिन्होंने जनहित में इस गंभीर मुद्दे को उठाया। अजय सोनी ने कहा, गुटखा माफियाओं के खिलाफ हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक प्रदेश से पूरी तरह से यह अवैध धंधा खत्म नहीं हो जाता। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के नागरिक स्वस्थ रहें और गुटखा जैसी हानिकारक सामग्री से दूर रहें। इस कार्रवाई से जहां गुटखा माफिया में दहशत का माहौल है, वहीं शहरवासियों में राहत और संतोष का भाव है। कई लोगों ने आम आदमी पार्टी की पहल की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इस सख्ती से गुटखा की अवैध बिक्री पर लगाम लगेगी। सारणी में यह कार्रवाई गुटखा माफिया के खिलाफ एक बड़ा कदम साबित हो रही है, जिसमें आम आदमी पार्टी की सक्रियता और प्रशासन की सख्ती ने शहर को इस गंभीर खतरे से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विश्व आत्महत्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 एवं मनहित एप की दी जानकारी

बैतूल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर 10 सितंबर को जिला अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि आधुनिक समय में मानसिक रोगों एवं तनाव के प्रति जागरूकता, आत्महत्या के कारण मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी पर नियंत्रण के लिये आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना और आत्महत्या रोकथाम के महत्व पर जोर देना था। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को आत्महत्या की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई।

तनाव से मुक्त रहने लोगों को जागरूक करेः प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे एवं मानसिक रोग चिकित्सक डॉ. संजय खातरकर ने बताया कि आत्महत्या के विषय में बात करने का तरीका बदले एवं तनाव से मुक्त रहने हेतु लोगों को जागरूक करें। मानसिक रोग चिकित्सक डॉ. संजय खातरकर द्वारा आत्महत्या के कारण एवं रोकथाम के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। साथ ही शासन द्वारा संचालित निशुल्क टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 एवं मनहित एप की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि टेली मानस हेल्पलाइन नंबर से सहायता ली जा सकती है।

गेटकीपर परिचय पत्र की शुरुआतः सीएमएचओ डॉ.उईके ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आत्महत्या रोकथाम के उद्देश्य से गेटकीपर परिचय पत्र की शुरुआत की गई। गेटकीपर कार्ड जिला अस्पताल के मन कक्ष से बनेगा। यह परिचय पत्र कोई भी व्यक्ति बनवा सकता है, जो आत्महत्या करने वाले व्यक्ति को समझाइश देकर आत्महत्या करने से रोकने का प्रयास करेगा।

पुलिस एवं आबकारी की संयुक्त कार्यवाही, 2 लाख का अवैध महुआ लाहन नष्ट किया

बैतूल। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के निर्देशन में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए सभी थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया। इसके अनुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैतूल, कमला जोशी के मार्गदर्शन में, 10 सितम्बर को थाना भैंसदेही और महाराष्ट्र राज्य के सिराजगाव थाना की संयुक्त टीम ने मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र राज्य की सीमा से लगे ग्राम खोमई और सुपाला में कच्ची महुआ शराब के ठिकानों पर छापेमारी की।

'10 ड्रमों और 30 कट्टों में भरा महुआ लाहन, लगभग 6000 किलो, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये है, को नष्ट किया गया। इस कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी अंजना धुर्वे और उनकी टीम तथा थाना सिराजगाव की टीम ने प्रभावी तरीके से 10 ड्रमों और 30 कट्टों में भरे महुआ लाहन को जमीन में फेंककर और शराब बनाने के अड्डों को विधिवत नष्ट किया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भैंसदेही, अंजना धुर्वे, एएसआई अजय भाट, हेड कांस्टेबल पंजाब परते, आर.490 नारायण जाट, आर.426 मनोज, आर.494 सुनील, आर.600 सोनू, और थाना सिराजगाव (महाराष्ट्र) से थाना प्रभारी सिराजगाव एवं उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही है।

शिकार को निगले विशाल अजगर का सर्प मित्रों ने किया रेस्क्यू

बैतूल। मंगलवार की रात बैतूल बाजार से 6 किलोमीटर दूर ग्राम सोहागपुर पंहुच मार्ग पर एक विशाल अजगर दिखाई दिया अजगर ने कुछ बड़ा शिकार निगला था जिसकी वजह से अजगर चल नही पा रहा था स ग्रामीणों ने इस अजगर को देखा तो सर्प मित्रों को सूचना दी तब सर्प मित्र मौके पर पन्हुचे सड़क पर अंधेरा होने की वजह

से अजगर को रेस्क्यू करना मुश्किल हो रहा था तब गाड़ियों के लेट और टार्च की रौशनी में सर्प मित्रों ने इस अजगर का रेस्क्यू किया स सर्प मित्रों ने पहले तो अजगर के पेट को दबाकर निगला हुआ शिकार निकालने की कोशिश की लेकिन शिकार अजगर के पेट से निकल नही पाया तो सर्प मित्रों ने अजगर का रेस्क्यू कर ले गए और जंगल में छोड़ दिया।

राज्यस्तरीय खेलकूद में बैतूल का परचम, जीते 19 पदक

बैतूल। शासकीय खिलाड़ियों ने भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में 7 से 9 सितंबर तक आयोजित 27वीं राज्य स्तरीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कुल 19 पदक जीते। इन पदकों में 7 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं, जिसने बैतूल को प्रदेश में तृतीय स्थान दिलाया। इस प्रतियोगिता में बैतूल से सुधीर कुमार पंवार, जो वनक्षेत्रपाल हैं, उन्होंने 1 कांस्य पदक जीता। वहीं, मुख्य लिपिक नवनीता प्रधान ने 1 स्वर्ण और 2 रजत पदक अपने नाम किए। सरोज अहाके, वनरक्षक ने 3 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। सुकान्त पाठक वनरक्षक ने 1 कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा, प्रर्मिला मरावी ने 1 रजत पदक जीता, जबकि प्रकाश भारतीया, वनरक्षक ने 2 रजत पदक और दिनेश धुर्वे वनरक्षक ने 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीते। दीनदयाल खौजी वनरक्षक ने 1 कांस्य पदक हासिल किया और गंगा बचले ने व.पा. के रूप में 1 स्वर्ण पदक जीतकर बैतूल का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में नत्थुलाल यादव, सुरेश कुमार चौकीकर और अन्य खिलाड़ियों ने भी भाग लिया, जिन्होंने अपनी उपस्थिति

दर्ज कराईचवतजे छमू डच् रू राज्य स्तरीय खेलकूद में बैतूल का परचम, जीते 19 पदक। प्रतियोगिता का समापन समारोह 9 सितंबर को वनमंत्री रामनिवास रावत के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर वन मंत्री श्री रावत ने कहा कि वन विभाग के खिलाड़ियों की खेल सुविधा में विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। जीवन में स्वस्थ रहने के लिये खेल बहुत आवश्यक है। वन विभाग के अमले को स्मार्ट रहना बहुत जरूरी है, जिससे कि वह वनों की सुरक्षा अच्छे से कर सकें। खेल भावना से प्रेरित होकर कार्य करने से कार्य-क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे हम वनों के संरक्षण और पर्यावरण को बनाये रखने के लिये अपनी भूमिका का निर्वाह अच्छे से कर पायें। वन मंत्री श्री रावत ने कहा कि वन विभाग के फील्ड के अमलों को सप्ताह में एक बार खेल प्रतियोगिएँ आयोजित की जानी चाहिये। मंत्री श्री रावत ने समापन कार्यक्रम में राज्य स्तरीय वन खेल प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को शील्ड एवं मैडल प्रदान कर पुरस्कृत किया। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों से कहा कि आगे भी भविष्य में वन विभाग की प्रतियोगिता में नियमित रूप से भाग लें। उन्होंने कहाकि मैं राज्य स्तरीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में उपस्थित होकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि रायपुर, छत्तीसगढ़ में 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में वन विभाग के प्रदेश के विभिन्न वृत्त, वन मण्डल एवं मुख्यालय के खिलाड़ियों द्वारा हिस्सा लिया गया। वन बल प्रमुख ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतियोगियों द्वारा किये गये प्रदर्शन एवं पिछली अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के मापदण्डों के आधार पर इस वर्ष की राज्य स्तरीय टीम का चयन एक सप्ताह में किया जायेगा। वन बल प्रमुख ने बताया कि 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये चयनित खिलाड़ियों का भोपाल में प्रशिक्षण शिविर लगाया जायेगा, जिससे प्रतियोगी अपने प्रदर्शन के स्तर में सुधार ला सकें। वन बल प्रमुख श्री श्रीवास्तव ने बताया कि 27वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता 16 से 20 अक्टूबर, 2024 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रही है। विगत वर्ष 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश दल द्वारा विभिन्न स्पर्धाओं में 34 स्वर्ण, 32 रजत एवं 24 काँस्य पदक, कुल 90 पदक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया था। वन विभाग में खेल प्रतियोगिताओं की शुरूआत वर्ष 1992 से हुई है। भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी।

मोहन वर्मा बने जन परिषद के देवास चैप्टर के अध्यक्ष

देवास। अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद के उज्जैन संभाग चैप्टर के अध्यक्ष श्री

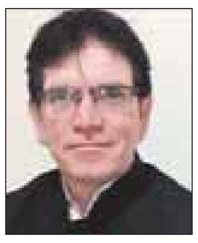

जितेन्द्र पुरोहित की अनुशंसा पर समाज सेवक ,लेखक एवं पत्रकार श्री मोहन वर्मा को, जन परिषद के देवास चैप्टर का अध्यक्ष मनोनीत किया है । ज्ञात रहे जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 35 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है।संस्था पर्यावरण पर दस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है । संस्था के इस समय पूरे देश में 226 एवम् विदेशो में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवम् सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था का मुख्य आधार मानवीय, सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

आरटीओ अधिकारी ने किया माध्यमिक शाला ग्वालटोली का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम। संभाग आयुक्त और कलेक्टर महोदया के निर्देशानुसार आरटीओ अधिकारी ने विभागीय टीम के साथ आज ग्वालटोली स्थित माध्यमिक शिक्षा स्कूल का औचक निरीक्षण किया, जिसमे शिक्षकों के आने के समय के और उपस्थिति देखी गई, शाला प्रधान पाठक ने इस समय उन्हें शाला का निरीक्षण करवाया गया तथा मांगी गई जानकारियों से अवगत कराया, शाला में सफाई तथा अध्ययन का स्तर अच्छा पाया गया, शाला नियमित तौर पर संचालित पाई गई, पढ़ाई में अव्वल बच्चो को आरटीओ अधिकारी द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप किताबें भेंट की गई, इसके बाद आरटीओ अधिकारी ने शाला द्वारा दिया जाने वाला मध्यान्ह भोजन का स्वाद लेकर भोजन की गुणवत्ता की जांच की जिसमे भोजन मानक अनुरूप पाया गया, तथा शाला स्टॉफ को शाला में नियमित आने तथा बच्चो का विशेष ध्यान रखने और पढ़ाई में कमजोर बच्चो को अतिरिक्त समय देकर पढ़ाने को कहा गया, आरटीओ अधिकारी द्वारा बच्चो को विज्ञान तथा गणित विषय पढ़ाया गया, बच्चो ने आरटीओ अधिकारी द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया गया, जिस पर उन्हें किताबे गिफ्ट दी गई, साथ ही आने वाली परिक्षाओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय श्रेणी बच्चों को विशेष पुरस्कार देने की बात कही, बच्चो के साथ शांति एवं संप्रभुता की शपथ ली गई और शाला परिसर में पौधारोपण किया गया।

शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व विषय पर निबंध

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य डॉ.सतीश कुमार दुबे के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर ज्योत्सना झारिया,

डॉ.नरेश कुमार नेमा एवं सह प्रभारी प्रोफेसर प्रीति कौरव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा एवं छात्र इकाई एवं आइक्यूएसी के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत गत दिवस शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाए जिसमें बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार के प्रस्ताव पर स्वीकृति के लिए केन्द्र सरकार का माना आभार

सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4 हजार 892 प्रति क्विंटल निर्धारित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के हित में कृत-संकल्पित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने हमेशा किसानों की चिंता की है। इस अनुक्रम में केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान करते हुए सोयाबीन का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 4892 रुपये निर्धारित किया गया है। प्रदेश के किसान सोयाबीन के मूल्य को लेकर काफी चिंतित थे। राज्य सरकार द्वारा सोयबीन के निर्धारित समर्थन मूल्य में वृद्धि के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए केन्द्र सरकार का प्रदेश के अन्नदाताओं की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों की दशा और दिशा में परिवर्तन आएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों की मांग को देखते हुए समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खरीदी के संबंध में दर वृद्धि के लिए मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रस्ताव रखा गया था। इसमें समर्थन मूल्य 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 4 हजार 892 रुपये करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया।

राज्य शासन के प्रस्ताव को केन्द्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

फ्री फायर गेम की लत में लड़के ने की खुदकुशी

एक दिन पहले पूछा- तीसरी मंजिल से कूदने पर कितनी चोट लगती है, दूसरे दिन लहूलुहान मिला

मुरैना (नप्र)। '17 साल के लड़के ने अपनी मां से पूछा, 'तीसरी मंजिल से कूदने पर कितनी चोट लगती है'। एकबारगी तो मां भी सकपका गई। कहा- तू यह क्यों पूछ रहा है।' दूसरे दिन उसने तीसरे मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। शव घर के पास लहूलुहान हालत में मिला। परिजन ने बताया कि बेटे को फ्री फायर गेम की लत थी। घटना वाले दिन पूरी रात वह गेम खेल रहा था। घटना मंगलवार सुबह करीब 5 बजे मुरैना के अरतसुमा की है। दोपहर में शव को पोस्टमार्ट्म के बाद परिजन को सौंप दिया गया।

सोचा था- मोबाइल में अपने मतलब की चीज देख रहा होगा

मुरैना जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर अरतसुमा में प्रधानमंत्री आवास बने हैं। यहां 17 साल का लड़का अपने माता-पिता के साथ रहता था। पिता बेंगलुरु में टाइल्स मिस्त्री का काम करते हैं। खुद बेंगलुरु में ही मिठाई की दुकान पर काम करता था। 27 अगस्त को ही वह मुरैना आया था।मंगलवार सुबह पड़ोस में रहने वाले युवक ने घर आकर बताया कि तुम्हारा बेटा लहूलुहान हालत में पड़ा है। परिजन तुरंत वहां पहुंचे। उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां ग्वालियर रेफर कर दिया गया। ग्वालियर पहुंचने से पहले रास्ते में दम तोड़ दिया।

मां बोली- नहीं पता था, बेटा गेम खेलता है

लड़के की मां ने बताया कि बेटा अधिकांश समय मोबाइल पर ही बिताता था। सोचा- बेटा सयाना हो रहा है। अपने मतलब की कोई चीज देख रहा होगा, लेकिन यह नहीं पता था कि फ्री फायर गेम खेल रहा है। कई दिन बाद घर आने के बावजूद वह कम ही बोलता था। दिन भर मोबाइल में ही लगा रहता था। उससे कहा भी था कि कहीं घूमने भी जाया कर, लेकिन उसने अनसुना कर दिया।मां ने बताया कि सोमवार को ही खाना बनाते समय बेटे ने पूछा, 'जब कोई व्यक्ति तीसरी मंजिल से कूदता है, तो उसे कितनी चोट लगती है। मैंने उसे डांटा भी था। कहा था कि क्या फालतू बात करता रहता है। तू बड़ा हो गया है। काम पर जाता है। इस तरह की बातें क्यों करता है? इस पर बेटे ने कोई जवाब नहीं दिया। घटना वाले दिन भी मंगलवार सुबह 3:30 बजे वह बिस्तर पर लेटकर गेम ही खेलता रहा। गेम खेलते-खेलते जब नींद नहीं आई, तो वह सुबह 4:00 बजे बिल्डिंग की छत पर चला गया था।

भोपाल के बोरवान पार्क में सियारों का झुंड, दहशत,बैरागढ़ इलाके में घूमने निकले थे लोग; पार्क में 8 से 10 सियार

भोपाल (नप्र)।भोपाल के बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) स्थित

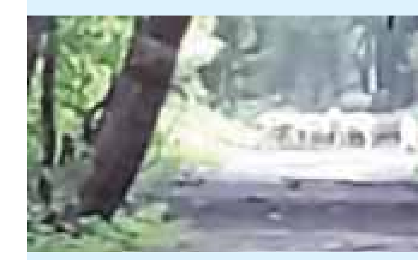

बोरवान पार्क में सियारों के झुंड से दहशत फैल गई है। पार्क के अंदर 8 से 10 सियार है। लोग जब पार्क में घूमने पहुंचे तो उन्हें सियारों का यह झुंड नजर आया। वन विभाग को भी सूचना दी गई है।

बोरवान पार्क बैरागढ़ का प्रमुख पार्क है। जहां सुबह और शाम को बड़ी संख्या में लोग घूमने जाते हैं। बुधवार को भी वे घूमने गए थे। तभी उन्हें सियारों का झुंड नजर आया। इसके चलते लोग पार्क के अंदर नहीं गए।

पार्षद ने की शिकायत–वार्ड के पार्षद अशोक मारण ने बताया कि लोगों ने सियारों का झुंड होने की जानकारी दी। एक व्यक्ति ने मोबाइल पर झुंड का वीडियो भी बनाया। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई है।

अंदर ही फंसे हैं सियार–पार्षद मारण ने बताया कि पार्क बड़ा तालाब के किनारे है। तालाब की साइड में पानी है। वहीं, आगे बेरिकेडिंग है। ऐसे में सियार निकल नहीं पा रहे हैं। यह झुंड अंदर ही है। 2 से 3 किलोमीटर के दायरे में यह पार्क फैला है।

इस्कॉन मंदिर में मनाया श्रीमती राधा रानी आविर्भाव दिवस

नर्मदापुरम। एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर परिवार में आज श्रीराधा अष्टमी उत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की अंतरंग शक्ति श्रीमती राधा रानी का जन्मोत्सव मनाने दोपहर को मंदिर में आज कृष्ण भक्तों और वैष्णव की भारी भीड़ उमड़ी, श्रीराधा आविर्भाव मनाने के लिए मंदिर परिवार ने विशेष प्रबंध किए थे। भक्तों ने मंदिर की विशेष सजावट की, श्रीमती राधा रानी के जन्मोत्सव पर उन्हें 56 भोग प्रस्तुत किए गए, भगवान श्री कृष्ण की अंतरंगता शक्ति श्रीमती राधा रानी के जन्मोत्सव पर इस दौरान मंदिर में विशेष आराधना हुई, इसे लेकर मंदिर में ग्यारह बजे से भजन कीर्तन हुए, बारह बजे राधे रानी को छप्पन भोग अर्पित किए तत्पश्चात मंदिर परिवार प्रमुख प्रणव दास प्रभु ने व्यास गादी से इस्कॉन संस्थापक श्रील प्रभुपाद द्वारा वर्णित श्री चैतन्य चरित्रामृत से श्रीमती राधे रानी के आविर्भाव का गुणगान किया, प्रणव दास प्रभु ने यहां बताया कि श्रीमती राधा रानी आविर्भाव दिवस का महत्व कृष्ण भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है, भगवान कृष्ण की अंतरंगा शक्ति कहलाने वाली राधा रानी जो बहुत ही दयालु हैं, जो भगवान की सेवा के लिए प्रतिपल सजग और सदैव तत्पर रहती उनकी आराधना करते हुए भक्त कृष्ण भक्ति के लिए भक्त गुरु परंपरा का निर्वहन करते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ भक्ति में उन्नति कर सकता हैं। दोपहर दो बजे प्रवचन समाप्त होने के पश्चात मंदिर में विशेष आरती भक्त हर्षित तथा अर्चक यमुना तट चर प्रभु के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। श्रीहरि नाम संकीर्तन महायज्ञ में शामिल हुए कृष्ण भक्तों ने जिसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद भक्तों ने मंदिर में भगवान का उच्छिष्ट प्रसादम के रुप में ग्रहण किया।

ग्राम पंचायत मुर्गाखेड़ा में लगी ग्राम चौपाल

कलेक्टर ने ग्रामीणों की सुनी समस्यायें

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुर्ग़ाखेड़ा में ग्राम चौपाल लगायी। ग्राम चौपाल में कलेक्टर श्रीमती पटले ने लगभग ढाई घंटे से अधिक समय रह कर यहाँ मौजूद ग्रामवासियों से रूबरू संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने इन समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को भी मौक़े पर निर्देशित किया। इस चौपाल में जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार, सीईओ जनपद श्रीमती प्रतिभा परते सहित अन्य जिला अधिकारी और ग्रामीणजन मौजूद थे। ग्रामवासियों से बातचीत के दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सड़क मार्ग जर्जर हो गया है एवं सड़क का कटाव हो रहा है। इसके अलावा नेशनल हाई- वे से मुर्गाखेड़ा सड़क मार्ग भी खराब है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अमले को सड़क उन्नयन का प्रस्ताव दो दिवस के भीतर तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2021 के दौरान यहां गेहूं उपार्जन केन्द्र के लिए चबूतरे बनाये जाने थे, लेकिन वह कार्य पूर्ण नहीं हुआ। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती पटले को ग्रामीणों ने बताया कि यहां संचालित शासकीय प्राथमिक शाला के प्राचार्य समय पर स्कूल नहीं आते हैं। अतिथि शिक्षक भी मौजूद नहीं रहते हैं। इस शिकायत की विस्तृत जांच करने के लिए डीपीसी को निर्देशित किया। साथ ही स्कूल प्राचार्य को नोटिस

जारी करने एवं दो अतिथि शिक्षकों को हटाने के निर्देश भी मौके पर दिये। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उनके परिवार में लाड़ली बहना, संबल एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने के लिए कहा। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को मिले, इसके लिए अपने समग्र आईडी की ई-केवायसी एवं आधार कार्ड को भी अपडेट करने का कार्य करवायें। इसके अलावा गांव की भूमि को आवादी घोषित करवाने की मांग भी ग्रामीणों द्वारा की गई, जिस पर कलेक्टर ने एसडीएम श्री मनिन्द्र सिंह को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिये। ग्राम चौपाल में यहां रह रहे 13 वर्षीय बालक को कान से सुनाई नहीं देने की बात बताई गई।

शहरी क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष चिकित्सकों के साथ मप्र देश में पहले स्थान पर

जनजातीय क्षेत्रों में आयुष डॉक्टर की उपलब्धता में तीसरा नम्बर

जिला अस्पतालों की संख्या में देश में दूसरा स्थान

केन्द्र सरकार की ताजा रिपोर्ट हेल्थ डायनामिक्स ऑफ इंडिया में सामने आये ये तथ्य

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जहां शहरी क्षेत्र के सभी 328 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आयुष सुविधाएं उपलब्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों के 1440 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में से 695 में आयुष सुविधाएं उपलब्ध हैं और शेष में बढ़ाई जा रही हैं। जनजातीय क्षेत्रों में 228 प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष डॉक्टर उपलब्ध हैं। इस मापदण्ड पर मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। प्रथम स्थान पर 296 की संख्या के साथ उड़ीसा और 279 की संख्या के साथ छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर है।

मध्यप्रदेश वर्ष 2005 से ग्रामीण क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करने वाले देश के पहले छह राज्यों में शामिल हो गया है। इसके अलावा सबसे ज्यादा संख्या में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों वाले दस राज्यों में सातवें स्थान पर आ गया है।

यह तथ्य हाल ही में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी हेल्थ डायनामिक्स ऑफ इंडिया - इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड हयूमन रिसोर्स रिपोर्ट में सामने आया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या में भी मध्यप्रदेश पहले छह राज्यों में शामिल है। देश में कुल 5491 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं। मध्यप्रदेश में इनकी संख्या 332 हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सब डिविजनल स्तर पर संचालित अस्पतालों और जिला अस्पतालों की संख्या के हिसाब से मध्यप्रदेश देश के प्रथम तीन राज्यों में शामिल है। सब डिविजनल अस्पतालों की संख्या 144 है। तमिलनाडु 281 की संख्या के साथ पहले और कर्नाटक 147 की संख्या के साथ दूसरे नंबर पर है। प्रदेश में जिला अस्पतालों की संख्या 52 है। यह देश में दूसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर 125 की संख्या के साथ उत्तर प्रदेश है और 40 की संख्या के साथ दिल्ली तीसरे स्थान पर है।

रिपोर्ट में सभी प्रदेशों में उप स्वास्थ्य, प्राथमिक स्वास्थ्य, सामुदायिक स्वास्थ्य, संभाग स्तरीय अस्पतालों और जिला अस्पतालों में आधारभूत स्वास्थ्य अधोसंरचना, तकनीकी रूप से दक्ष स्टाफ एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सभी राज्यों में आधारभूत अधोसंरचनाओं में बढ़ोतरी का तथ्यात्मक विश्लेषण किया गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों, सर्जन, गायनोकोलाजिस्ट, शिशु रोग विशेषज्ञ, फार्मासिस्ट लैब टेक्नीशियन नर्सिंग स्टाफ और रेडियोग्राफर की उपलब्धता में बढोतरी हुई है।

प्रदेश में गाँवो में सबसे ज्यादा 68 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छिंदवाड़ा में है। इसके बाद खरगोन में 58 और रीवा 46 हैं। शहरों में भोपाल में सबसे ज्यादा 54 केन्द्र है। दूसरे नंबर पर इंदौर-40 और तीसरे नंबर पर जबलपुर-36 है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़वानी में 14, मंडला में 12 और सतना में 11 हैं। कुल 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सबसे ज्यादा तीन भोपाल में है।

रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश के 55,885 गांवों में 10,258 उप स्वास्थ्य केन्द्र सेवाएं दे रहे हैं। गांवों में 1440 और शहरी क्षेत्र में 328 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं। गांवों में 332 और शहरों में 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं। सब डिविजन स्तर पर 144 और जिला स्तर पर 52 अस्पताल संचालित हैं। रिपोर्ट के अनुसार 13 मेडिकल कालेज कार्यरत हैं। धार जिले में सबसे ज्यादा 479 उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं। दूसरे नम्बर पर बडवानी - 329, तीसरे स्थान पर रीवा - 326 और चौथे पर सतना - 302 हैं।

रिपोर्ट में गांवों और शहरों में स्वास्थ्य अधोसंरचना में मध्यप्रदेश में वर्ष 2005 से 2023 तक हुई प्रगति का आकलन किया गया है। वर्ष 2005 में गांवों में उप स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या 8874 थी जो अब 10258 हो गई है। इनमें से 3996 उप स्वास्थ्य केन्द्र सरकारी भवनों में लग रहे थे, अब 8626 सरकारी भवन में है। किराये के भवनों में लग रहे उप स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या 4878 थी जो अब कम होकर 667 हो गई है। आज 965 केन्द्र किराया-मुक्त पंचायत भवनों में संचालित हैं।

इसी प्रकार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या 2005 में 1192 से बढकर 1440 हो गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या वर्ष 2005 में 229 से बढ़कर 332 हो गई है और इनमें से 328 सरकारी भवनों में संचालित हैं। शेष तीन के लिए भवन निर्माण का काम जारी है।

स्वास्थ्य सेवा तंत्र कैसे काम करता है ?

उप स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था और समुदाय के बीच पहली संपर्क संस्था है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पोषण, टीकाकरण, दस्त नियंत्रण, संचारी और गैर-संचारी रोगों के नियंत्रण के संबंध में निचले स्तर पर सेवाएं दी जाती है।

आदर्श स्थिति में एक उपकेंद्र में कम से कम एक सहायक नर्स मिडवाइफ, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और एक पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपलब्ध रहते है। यह कम से कम चार गाँव को सेवाएं देता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समुदाय और चिकित्सा अधिकारी के बीच की संपर्क संस्था के रूप में काम करता है। यह 6 उप केन्द्रों के लिए एक रेफरल इकाई है। इसमें 4 से 6 बिस्तर की सुविधा होती है और यह 26 गांव को कवर करता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 4 चिकित्सा विशेषज्ञ, पैरामेडिकल स्टाफ, फिजिशियन, प्रसूति व स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ होते हैं। इसमें एक आपरेशन थिएटर, एक्स-रे, लेबर रूम और प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ 30 बिस्तर की क्षमता रहती है। एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कम से कम चार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए एक रेफरल इकाई के रूप में संचालित होता है। यह 121 गाँव को सेवाएं दे सकता है।

उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिलकर प्रदेश में 308252.00 वर्ग किलोमीटर में सेवाएं दे रहे हैं। इसमें 93 हजार वर्ग किलोमीटर जनजाति क्षेत्र है। ग्रामीण क्षेत्रफल 309505.59 वर्ग किमी और शहरी क्षेत्र 7746.41 वर्ग किमी है। इस प्रकार 97.49 प्रतिशत, ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार है। इन संस्थाओं से प्रदेश की 7.26 करोड़ जनसंख्या तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँच रहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्र की 72.4 प्रतिशत जनसंख्या को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

जिले में अब तक 1076 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 11 सितम्बर तक की अवधि में औसत रूप से कुल 1076 मिमी अर्थात 42.36 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 11 सितम्बर की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 145.2 मिमी अर्थात 5.72 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 178 मिमी, गाडरवारा में 105 मिमी, गोटेगांव में 113 मिमी, करेली में 165 मिमी वर्षा और तेंदूखेड़ा में 165 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 सितम्बर तक तहसील नरसिंहपुर में 1073 मिमी, गाडरवारा में 1189 मिमी, गोटेगांव में 1175 मिमी, करेली में 865 और तेन्दूखेड़ा में 1078 मिमी वर्षा आंकी गई है।

अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मिले राहुल गांधी

- दिग्विजय के भाई लक्ष्मण सिंह ने कहा वे भारत विरोधी से मिले, भाजपा ने दिग्गी को घेरा

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिन पर विवाद हो गया है। यात्रा के दौरान उनकी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात हुई। इस मुलाकात की फोटो को एक्स पर शेयर करते हुए पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने आपत्ति जताई है।

बीजेपी का सवाल- अब दिग्विजय सिंह इस पर जवाब दें: लक्ष्मण सिंह के ट्वीट पर बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा- राहुल गांधी की भारत विरोधी और भारत को बदनाम करने वाली यात्रा पर अब तो कांग्रेसी ही सवाल उठा रहे हैं और विशेषकर जब दिग्विजय सिंह के भाई सवाल उठाएं तो सवाल लाजमी है कि दिग्विजय इस पर क्या सोचते हैं। देश को बदनाम करने का षड्यंत्र और विदेशी मंचों पर देश में आ रहे निवेश को भ्रमित करने का जो कांग्रेस का प्रयास है उसका चौतरफा विरोध हो रहा है।

अब जानिए कौन हैं इल्हान उमर?

इल्हान उमर अमेरिकी सांसद हैं। वह 2019 से अमेरिकी कांग्रेस की डेमोक्रेट सदस्य हैं। वे पहली अफ्रीकी शरणार्थी हैं जो चुनाव जीतकर अमेरिकी संसद पहुंचीं। वे संसदीय सीट पर चुनाव जीतने वाली पहली अश्वेत महिला भी हैं। वे अमेरिकी संसद पहुंचने वाली पहली दो मुस्लिम-अमेरिकी महिलाओं में भी शामिल हैं। वह अमेरिका में अपने इजराइल विरोधी रुख की वजह से जानी जाती हैं।

सांसद आलोक शर्मा ने किया राजाभोज एयरपोर्ट का निरीक्षण

- जन सुविधाओं और विस्तार को लेकर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल (नप्र)। सांसद आलोक शर्मा ने मंगलवार को राजधानी भोपाल के राजा भोज अन्तर्राष्ट्रीय विमानतल का निरीक्षण किया और यात्रियों को मिल रही सेवा और सुविधाओं की जानकारी ली। सांसद शर्मा ने कहा कि लोगों को इमरजेंसी मेडिकल सुविधा के लिए एयर एंबुलेंस की प्रॉपर जानकारी नहीं मिल पाती है, हमारे पास कई लोगों के फोन आते हैं। इसके लिए एयरपोर्ट पर एक अलग काउंटर होना चाहिए। सांसद शर्मा ने एयरपोर्ट विस्तार को लेकर चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सांसद शर्मा ने एयरपोर्ट डायरेक्टर राम अवस्थी से कहा कि यह सुनिश्चित करें कि काम गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में पूरे हों। यात्री सेवा और सुविधा के मामले में राजाभोज नंबर 1 पर हो ऐसे प्रयास करें। नए बन रहे एराईवल को पूर्ण करने के लिए दिसंबर तक की डेड लाइन तय की है। सांसद ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के लिए रन वे विस्तार पर चर्चा की।

रन वे का विस्तार जरूरी

सांसद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के लिए रन वे का विस्तार जरूरी है। इसकी स्टैंडर्ड लंबाई 3300 मीटर करने का प्रस्ताव बनाएं। अभी भोपाल एयरपोर्ट पर रनवे की लंबाई 2700 मीटर है। सांसद शर्मा ने कहा कि भोपाल से रीवा व भोपाल से दतिया के लिए फ्लाइट जल्द शुरू हो इसका शेड्यूल बनाएं। भारत सरकार और विमानन विभाग का प्रयास है कि जनता को सुविधाओं का लाभ मिले।

भोपाल में भारी बारिश

- कई जगह जलजमाव, भदभदा-कलियासोत के 2-2, केरवा का 1 गेट खोला
- भोपाल में 24 घंटे में ढाई इंच पानी गिरा; जगदीशपुर में पातरा नदी के पुल पर पानी, रास्ता बंद

लिंक रोड टू और माता मंदिर अग्रसेन भवन के सामने गिरा पेड़

द्वारका नगर और मालीखेड़ी समेत कई जगह में घरों में भरा पानी

भोपाल (नप्र)। स्ट्रॉन्ग सिस्टम की एक्टिविटी की वजह से भोपाल में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर, कभी तेज तो कभी बूंदाबांदी हो रही है। इससे भोपाल के तीन डैम भदभदा, केरवा और कलियासोत के गेट फिर से खुल गए हैं। कलियासोत के भदभदा-केरवा डैम का 2 गेट खुला है। वहीं, कोलार डैम फुल भर गया है। इसके भी 2 गेट खुले हुए हैं।

भोपाल के पास कोलार डैम का फुल टैंक लेवल 462.2 मीटर है। यह डैम फुल भर गया है। ऐसे में 8 में से 2 गेट खुले हुए हैं। कोलार डैम प्रभारी हर्षा जैनवाल ने बताया कि डैम में अपनी जलभराव क्षमता के अनुसार पानी आ गया है। कैचमेंट एरिया में बारिश होने से गेट अब खुले रखे जाएंगे। इधर, मौसम विभाग ने बुधवार के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। भोपाल में पिछले 24 घंटे में करीब ढाई इंच पानी गिरा है। भोपाल के पास जगदीशपुर में पातरा नदी के पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। इससे आने-जाने का रास्ता बंद है।

मप्र के ऊपर बने ताकतवर वेदर सिस्टम के असर से भोपाल समेत आसपास के इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान भोपाल में 61.6 मिमी (करीब 2.5 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। शहर में लगातार हो रही वर्षा की वजह से जलाशय लबालब हैं। जलस्तर को मेंटेन रखने के लिए बांधों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है।

भदभदा डैम का वर्तमान में एक गेट खुला हुआ है। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने बताया कि बुधवार दोपहर 12 बजे तक दो गेट खुले हुए थे। एक गेट बंद कर दिया है। भदभदा डेम से पिछले 19 घंटों के दौरान 350 मिनियन क्यूबिक फीट (एमसीएफटी) पानी छोड़ा जा चुका है।

वहीं यदि पूरे सीजन की बात करें तो अब तक कुल 2600 एमसीएफटी पानी छोड़ा जा चुका है। चूंकि भदभदा डैम से छोड़ा जाने वाला पानी कलियासोत डैम में मिलता है। इसके मद्देनजर कलियासोत डैम के दो गेट खुले हुए हैं। वहीं केरवा और कोलार डैम का भी एक-एक गेट खुला हुआ है। सीहोर के कोलार डैम से 58 क्यूमैक्स प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है।

कई जगहों पर जलभराव

लगातार बारिश होने से भोपाल के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। एमपी नगर, हबीबगंज नाका, अशोका गार्डन, करोंद, शिवनगर के निचले इलाकों में भी सड़कों पर पानी भर गया। कलियासोत डैम से पानी छोड़े जाने के बाद नदी किनारे दामखेड़ा और समर्धा टोला के लोगों को अलर्ट किया गया है। यदि पानी का बहाव तेज होता है तो लोगों को शिफ्ट किया जा सकता है। खेजड़ा बरामद की सड़कों पर भी पानी है। पिछले दिनों तेज बारिश की वजह से यहां सड़क पर बोट चलाने की नौबत बनी थी।

भोपाल में अब तक 46 इंच से ज्यादा पानी गिरा

भोपाल में अब तक 46 इंच से अधिक बारिश हो चुकी है। सोमवार शाम से ही बारिश का दौर शुरू हो गया था। मंगलवार सुबह फिर से बारिश होने लगी। शाम को मूसलाधार बारिश होने लगी। रातभर बारिश का दौर जारी रहा। बुधवार को भी ऐसा ही दौर बना रहेगा। भोपाल में मंगलवार शाम से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। देर रात तक बारिश होती रही।

लेवल के ऊपर पहुंचा पानी

मंगलवार सुबह कोलार, कलियासोत और केरवा डैम के गेट खुले हुए थे। वहीं, शाम को भदभदा डैम का एक गेट खोल दिया गया। चूंकि, सीहोर जिले में बुधवार को अति भारी बारिश का अलर्ट है। ऐसे में बड़ा तालाब, केरवा और कोलार डैम में पानी बढ़ जाएगा। जिससे गेट लगातार खुले रखे जा सकते हैं। इस सीजन में भदभदा के 8 बार, केरवा के 5 बार, कोलार के 6 बार और कलियासोत के 10 बार गेट खोले जा चुके हैं। सबसे पहले कोलार डैम के जुलाई में 8 में से 4 गेट खुले थे। भदभदा, कलियासोत और केरवा के अगस्त में गेट खोले गए।

अच्छी बारिश से प्रदेश के अधिकांश बांध लबालब : मंत्री श्री सिलावट

सिंचाई, पेयजल एवं विद्युत उत्पादन के लिये मिलता रहेगा पर्याप्त जल

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में इस वर्ष अच्छी बारिश के चलते लगभग सभी बांध लबालब हैं। इससे सिंचाई, पेयजल एवं विद्युत उत्पादन के लिये आगामी समय में प्रदेश को पर्याप्त जल उपलब्ध होता रहेगा। प्रदेश के प्रमुख बांधों में आज की स्थिति में जलभराव की स्थिति 87 प्रतिशत से अधिक है। रिजरवायर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम में चिन्हित 282 प्रमुख बांधों में 199 बांधों में आज की स्थिति में जल भराव 90 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश के सभी प्रमुख बेसिन में बांधों के जलग्रहण क्षेत्र में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी वर्षा के पूर्वानुमान, पानी की आवक और बांधों के गर्वनिंग लेविल के दृष्टिगत बांध के गेटों का संचालन किया जा रहा है, जिससे कहीं कोई बाढ़ की स्थिति निर्मित न हो। बांधों के खुलने और बंद होने की कार्ययोजना तैयार कर सूचना नियमित रूप से क्षेत्रीय जनता को दी जा रही है।

मानसून 2024 में मध्यप्रदेश में आज दिनांक तक 929.6 मि.मी. वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है, जो प्रदेश की औसत वर्षा से 9 प्रतिशत अधिक है। राज्य के पूर्वी हिस्से में औसत से 4 प्रतिशत अधिक एवं पश्चिमी हिस्से में औसत से 13 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में अच्छे मानसून से राज्य के प्रमुख बांधों में जल भराव की स्थिति बहुत अच्छी है। विगत वर्ष आज की स्थिति में मध्यप्रदेश में वास्तविक वर्षा 738.9 मि.मी. दर्ज हुई थी, जो कि औसत वर्षा से 14 प्रतिशत कम थी। पूर्वी मध्यप्रदेश में 11 प्रतिशत कम और पश्चिमी मध्यप्रदेश में 16 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई थी। विगत वर्ष में आज दिनांक की स्थिति में प्रदेश के प्रमुख बांधो में लगभग 67.83 प्रतिशत औसत जलभराव था, जबकि चालू वर्षाकाल में अच्छे मानसून से प्रदेश के प्रमुख बांधो में जलभराव की स्थिति लगभग 90 प्रतिशत है।

नर्मदा बेसिन अंतर्गत प्रमुख बांधों में लगभग सभी अपने पूर्ण भराव की स्थिति में है, जबलपुर जिले में स्थित बरगी बांध 101.52 प्रतिशत, रायसेन जिले में बारना 94.34 प्रतिशत, नर्मदापुरम में तवा बांध 97.50 प्रतिशत, सीहोर में कोलार बांध 99.33 प्रतिशत, खंडवा में इंदिरा सागर बांध 93.25 प्रतिशत एवं ओंकारेश्वर बांध 59 प्रतिशत जलभराव की स्थिति में है। इस प्रकार नर्मदा बेसिन में अच्छी मानसून गतिविधियों से प्रदेश में बेसिन अंतर्गत प्रमुख बांधों में पर्याप्त जल भंडारण संभव हो पाया है। वैनगंगा बेसिन अंतर्गत प्रदेश के प्रमुख बांधों में पेंच छिंदवाड़ा 96.91 प्रतिशत, संजय सरोवर सिवनी 97.97 प्रतिशत एवं बालाघाट स्थित राजीव सागर 97.23 प्रतिशत जल भराव में है। बेसिन में औसत से अधिक वर्षा होने से सभी वृहद एवं मध्यम बांध शत-प्रतिशत भराव के निकट है। प्रदेश के गंगा बेसिन अंतर्गत निर्मित बड़ी परियोजनाओं में शहडोल स्थित बाणसागर 94.55 प्रतिशत एवं महान जिला सीधी 90.66 प्रतिशत जलभराव को प्राप्त कर चुके हैं।

लेडी कॉन्स्टेबल ने एसआई को कुचला, मौत

कार से टक्कर मारने के बाद 30 मीटर तक घसीटा; साथी समेत थाने में किया सरेंडर

राजगढ़ (नप्र)। राजगढ़ रिजर्व पुलिस लाइन में पदस्थ सब इंस्पेक्टर की कार से कुचलकर हत्या कर दी गई। कार पचोर थाने की महिला आरक्षक पल्लवी सोलंकी की थी। वारदात के बाद पल्लवी और उसका साथी करण ठाकुर देहात थाने पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, यहां दोनों ने कहा- हमने एसआई को मार दिया है।

एसपी आदित्य मिश्रा ने एसडीओपी ऑफिस में महिला आरक्षक से देर रात तक पूछताछ की। बुधवार सुबह देहात थाना प्रभारी गोविंद मीणा ने कहा, दोनों आरोपियों ने एसआई की हत्या करने का आरोप स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि एसआई हमारे प्यार के बीच आ रहा था। फिलहाल, मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

बाइक से कार के बोनट पर गिरे सब इंस्पेक्टर

पुलिस के अनुसार, एसआई दीपांकर गौतम मंगलवार दोपहर बाइक से ब्यावरा-देवास हाईवे पर देहात थाने की ओर जा रहे थे। फुंदा मार्केट में पेट्रोल पंप के सामने पल्लवी की कार ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मारी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एसआई उछलकर कार के बोनट और आगे के कांच पर लुढ़कते हुए सड़क पर आ गिरे। इसके बाद कार एसआई को करीब 30 मीटर तक घसीट ले गई। उनके सिर, बाएं पैर के घुटने और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें लगीं।

वारदात को अंजाम देने के बाद पल्लवी और करण सीधे देहात थाने गए और पुलिस को जानकारी दी। इधर, मौके पर मौजूद दुकानदारों ने घायल एसआई को एंबुलेंस से सिविल अस्पताल पहुंचाया।

दीपांकर गौतम, मृतक | पल्लवी सोलंकी, आरोपी

भोपाल किया रेफर, रास्ते में दम तोड़ा

देहात थाना प्रभारी गोविंद मीणा, सिटी टीआई वीरेंद्र धाकड़ और पुलिस के अन्य अफसर अस्पताल पहुंचे। यहां एसआई गौतम को डॉ. संदीप नारायणे ने प्राइमरी इलाज के बाद भोपाल रेफर कर दिया। रास्ते में श्यामपुर के पास एसआई को खून की उल्टी हुई और उन्होंने दम तोड़ दिया। साथी पुलिसकर्मियों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भोपाल के चिरायु अस्पताल पहुंचाया।एसआई को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

दोस्त से कहा था- तू जल्दी आ, ये दोनों मुझे मार डालेंगे

सूत्रों के अनुसार, पल्लवी और करण के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा है। कुछ दिन पहले आपसी झगड़े में करण ने पल्लवी को गोली मार दी थी। यह गले के पास से लगकर निकल गई थी। उसने खुद को भी गोली मारी थी लेकिन वह भी बच गया था। कुछ समय तक दोनों अलग रहे, फिर साथ हो गए। इसी बीच पल्लवी की दीपांकर से दोस्ती गहरा गई। मंगलवार को दोनों ने दीपांकर को मिलने बुलाया। दीपांकर को अंदेशा था इसलिए उन्होंने अपने एसआई दोस्त सुभाष को भी फोन कर दिया। कहा था- ये दोनों मुझे मार देंगे। साथी एसआई पहुंचे लेकिन तब तक पल्लवी और करण ने बाइक को टक्कर मार दी थी। कुछ दिन पहले आपसी झगड़े में करण ने पल्लवी को गोली मार दी थी। इसके बाद पल्लवी की दीपांकर से दोस्ती हुई थी।

रेप के आरोप में जेल भी जा चुके थे एसआई गौतम: शिवपुरी जिले में करैरा कस्बे के रहने वाले एसआई दीपांकर गौतम सिटी थाने में पदस्थ थे, तब उन्हें लाइन हाजिर किया गया था। रिश्वत मांगने की इस शिकायत में जांच भी चल रही है। एसआई गौतम दुष्कर्म के केस में जेल जा चुके हैं।

खेत से चारा काटने को लेकर विवाद, महिला और उसके दो बेटों को मारी गोली

राजगढ़ (नप्र)। खेत से मवेशियों के लिए चारा काटने को लेकर एक महिला व एक अन्य युवक के बीच में कहासुनी हो गई। विवाद इतना बड़ा की युवक ने गांव में आने के बाद घर से बंदूक निकालते हुए महिला व उसके बेटों पर फायर कर दिए। जिसमें महिला की मौत हो गई, जबकि दोनों बेटों को छर्रे लगे हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सुठालिया थाने के गांव खूचनी में बुधवार दोपहर के समय रूपवति पति रमेश मीना 50 वर्ष मिवेशियों के लिए चारा काटने के लिए खेत पर गई हुई थी। वहीं पर रामप्रसाद मीना भी मौजूद था। खेत की मेढ़ से चार काटने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। कहासुनी इतनी बड़ी कि आरोपित गांव आ गया।

घर लौटते ही मारी गोली

साथ ही जैसे ही महिला गांव में घर जाने के लिए आई तो विवाद की जानकारी महिला के बेटों को भी लग गई। इसके साथ ही महिला जब चारे का गठ्ठा लेकर गांव घर की ओर पहुंची तो आरोपित ने घर से बंदूक लाकर महिला को गोली मार दी। मौके पर मौजूद महिला के दोनों बेटों के भी छर्रे लग गए।

महिला के पेट के समीप गोली मार गई है, जो आरपार हो गई। घटना की जानकारी सुठालिया पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को गंभीर अवस्था में सुठालिया अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला की मौत हो गई। घटना के बाद से ही गांव में तनाव का माहौल है।

बेटे हुए घायल, आरोपित फरार

पुलिस ने बताया कि इस विवाद में महिला के दोनों बेटों सरवन व उसके छोटे भाई विनोद को भी छर्रे लगे हैं। दोनों का सुठालिया में उपचार कराया गया है। उधर घटना के बाद से ही आरोपित रामप्रसाद मीना फरार है। आरोपित की तलाश के लिए पुलिस ने गांव में दबि दी है। बंदूक किसके नाम पर रजिस्टर्ड है इसको लेकर पुलिस द्वारा पड़ताल की जा रही है।

पथराव मामले में रतलाम एसपी का आधी रात को ट्रांसफर

हिंदू संगठन ने 8 बजे शिकायत की, 12 बजे भोपाल से जारी हो गया आदेश

रतलाम (नप्र)। रतलाम में गणेश प्रतिमा के जुलूस पर पथराव के मामले ने तूल पकड़ लिया है। पथराव करने वालों के बजाए शिकायतकर्ताओं पर कार्रवाई के विरोध में हिंदू सर्व समाज ने मंगलवार रात कलेक्टर राजेश बाथम को ज्ञापन देकर जांच की मांग की। पदाधकारियों ने 24 घंटे में जांच और कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। बुधवार दोपहर हिंदू समाज के लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया।

ज्ञापन के 4 घंटे बाद रात करीब 12 बजे एसपी राहुल कुमार लोढ़ा को रतलाम से हटाकर रेल एसपी भोपाल बना दिया गया। अब नरसिंहपुर एसपी रहे अमित कुमार को रतलाम का एसपी बनाया गया है।

पथराव से जुड़े सबूत दिए, एक्शन नहीं लिया: सर्व समाज पदाधिकारियों का कहना है कि पुलिस को पथराव से जुड़े सारे सबूत दिए गए। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं की गई। कलेक्टर को ज्ञापन में बताया कि 7 सितंबर की रात 7 से 8 बजे शहर के मोचीपुरा से जब श्री गणेश जी की प्रतिमा का चल समारोह निकल रहा था, तब वर्ग विशेष के कुछ लोगों ने प्रतिमा पर पत्थर फेंके। चल समारोह में शामिल लोग मामले की शिकायत लेकर पुलिस थाना स्टेशन रोड पहुंचे।

थाना प्रभारी ने केस दर्ज नहीं किया। वे समझाइश देते रहे, इसके विरोध में थाने पर बड़ी संख्या में हिंदू समाज जुटा। बढ़ते आक्रोश को देखते हुए साधारण धाराओं में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद थाना प्रभारी और एएसपी के कहने पर रात करीब 11 बजे थाने पर जुटे लोग ऊंकाला रोड स्थित गणेश पंडाल जा रहे थे।

हाथी खाना क्षेत्र में पुलिस ने घेराव कर लाठीचार्ज किया। इसमें कई लोग घायल हुए। लोग गणेश पंडाल की ओर मोचीपुरा के रास्ते से बढ़ने लगे। मोचीपुरा चौराहे पर पुलिस ने रोका। यहां मुस्लिम समाज के कुछ लोगों ने पथराव किया। इससे भगदड़ मच गई। पंडाल की ओर भाग रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया, पुलिस ने मां-बहनों तक को घसीटा।

हिंदू समाज ने निकाली मौन जुलूस रैली

रतलाम में युवक की मौत के बाद सर्व हिंदू समाज के लोगों ने मौन जुलूस शुरू निकाला है। इनकी मांग है कि मामले में निष्पक्ष जांच की जाए। सर्व हिंदू समाज मां कालिका माता मंदिर स्थित परिसर में एकत्र हुए। सभी के हाथों में तख्तियां हैं।